वर्ष-16 , अंक 150
शुक्रवार
13 फरवरी 2026
पृष्ट-8 मूल्य -1
www.sititoday.com

सिटी टुडे

ग्वालियर से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सुविचार

जीवन में हार जीत तो होती रहती है, उससे आगे बढ़ कर आप कैसे कार्य करते हो ज़रुरी हैं।

प्रधानमंत्री मोदी आज सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को दिल्ली में सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन-1 और 2 का उद्घाटन करने वाले है। वे शाम करीब 6 बजे सेवा तीर्थ में कार्यक्रम को संबोधित भी करने वाले है। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक पीएम नरेंद्र मोदी शुक्रवार को दोपहर करीब 1:30 बजे सेवा तीर्थ बिल्डिंग कॉम्प्लेक्स का नामकरण करने वाले है। इसके बाद वे सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन-1 और 2 का औपचारिक उद्घाटन करने वाले है। यह उद्घाटन भारत के प्रशासनिक शासन संरचना में एक बड़ा बदलाव साबित होगा। यह प्रधानमंत्री के एक मॉडर्न, कुशल, सुलभ और नागरिक-केंद्रित गवर्नेंस इकोसिस्टम बनाने के वादे को दिखाता है। कई दशकों से कई जरूरी सरकारी ऑफिस और मंत्रालय सेंट्रल विस्टा एरिया में अलग-अलग जगहों पर बने हुए थे और पुराने इंफ्रास्ट्रक्चर से काम करते थे। इससे ऑपरेशनल खामियां, कोऑर्डिनेशन की चुनौतियां, बढ़ते मेंटेनेंस खर्च और काम न कर पाने लायक स्थिति बनी हुई थी। लेकिन नए बिल्डिंग कॉम्प्लेक्स, मॉडर्न और भविष्य के लिए तैयार सुविधाओं के अंदर प्रशासनिक कार्यों को एक साथ करके इन समस्याओं का समाधान करते हैं। सेवा तीर्थ में प्रधानमंत्री कार्यालय, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और कैबिनेट सचिवालय बने हुए हैं, जो पहले अलग-अलग जगहों पर थे। कर्तव्य भवन-1 और 2 में कई मंत्रालय के आफिस है। जिसमें वित्त, रक्षा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय, शिक्षा, संस्कृति, कानून, सूचना व प्रसारण, कृषि व किसान कल्याण, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय और जनजातीय मामलों के मंत्रालय शामिल हैं।

बंद रहे तो कहीं ट्रांसपोर्ट व्यवस्था लड़खड़ाई

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रमिक संगठनों ने विभिन्न मांगों को लेकर देशव्यापी आम हड़ताल का आह्वान करते हुए भारत बंद का ऐलान किया है। इसका असर आज देश के कई राज्यों में दिखाई दिया है। जरुरी सेवाओं को छोड़कर, राज्यों में दुकानें, बाजार और ट्रांसपोर्टेशन की सुविधाएं बाधित हुई हैं। कहीं कहीं मामूली झड़पें होने की भी खबरें हैं। इसका प्रभाव मध्य प्रदेश में भी देखने को मिलेगा। प्रदेश में सरकारी और निजी बैंक, बीएसएनएल, बीमा तथा डाक विभाग सहित कई केंद्रीय कार्यालयों की सेवाओं पर भी असर हुआ हैं। हालांकि रेलवे सेवाएं सामान्य है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर रूसी मंत्री का बड़ा बयान, सर्गेई को उम्मीद

भारत-रूस द्विपक्षीय संबंधों में कठिनाइयों का नहीं करना पड़ेगा सामना, ट्रंप पर हमला

मास्को

भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील हो गई है और अमेरिकी राष्ट्रपति ने एग्जिक्यूटिव ऑर्डर पर साइन भी कर दिए हैं और इसका फ्रेमवर्क और डील की फैक्टशीट भी जारी हो चुकी है। इस बीच डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से डील से जुड़े अपने ऐलान में रूस पर फोकस बनाए रखा था और उनका प्रशासन लगातार भारत के रूसी तेल की खरीद कम करने से जुड़े बयान दे रहे हैं। इस बीच रूस के उप-विदेश मंत्री सर्गेई रियाबकोव ने बड़ी बात कही है कि इस डील से भारत-रूस के संबंधों पर बुरा असर नहीं होगा।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील डन होने की खबर के बाद रूस के उप विदेश मंत्री सर्गेई रियाबकोव ने कहा है कि भारत में सभी के लिए जगह और क्षमताएं मौजूद हैं, जबकि अमेरिका सब कुछ अपने लिए चाहता है। उन्होंने कहा कि टैरिफ का उद्देश्य सिर्फ अपनी शक्ति दिखाते हुए वर्चस्व स्थापित करना है और यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है। एक साक्षात्कार के दौरान में रूसी मंत्री ने उम्मीद जताते हुए ये बड़ी बात कही है।

भारत-रूस में बड़ा व्यापार

रियाबकोव ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि इस भारत-अमेरिका समझौते का परिणाम यह बिल्कुल नहीं होगा कि भारत-रूस द्विपक्षीय संबंधों में कठिनाइयों और परेशानियों का सामना करना पड़े। दोनों देशों की व्यापारिक रिश्तों पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे बीच व्यापार की मात्रा काफी अधिक है, लेकिन इसकी क्षमता और भी ज्यादा है। इसलिए मुझे पूरा विश्वास है कि भारत में सभी के लिए जगह होनी चाहिए।

रूसी मंत्री बोले- यूएस की नीति ही गलत। ब्रिक्स शेरपाओं की पहली बैठक के लिए दिल्ली पहुंचे रूसी उप-विदेश मंत्री रियाबकोव ने अमेरिका पर निशाना साधते हुए कहा कि, मौजूदा अमेरिकी नीति में बड़ी समस्या यह है कि वे सब कुछ अपने लिए चाहते हैं और दूसरों के लिए कुछ भी नहीं, जो एकतरफा दृष्टिकोण का सबसे बुरा उदाहरण है। यूएस के सभी तरह के टैरिफ और दमनकारी उपाय से संबंधित हैं, जबकि सहयोग और पारस्परिक लाभ ही समृद्धि के मार्ग हैं। रूसी मंत्री के मुताबिक, देशों को स्वतंत्र होना चाहिए।

भारत में सभी के लिए जगह और मौजूद हैं क्षमताएं

गठबंधन तोड़ने नहीं होनी चाहिए कोशिश

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ब्रिक्स समूह को पश्चिम-विरोधी बताने के बयान पर निशाना साधते हुए रियाबकोव ने कहा कि किसी को भी इस गठबंधन को तोड़ने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। ब्रिक्स कभी भी पश्चिमी विरोधी संगठन नहीं रहा है और न ही समूह के भीतर ऐसा बनने का कोई इरादा रहा है। हम वही करते हैं जो हमें अपने लिए आवश्यक लगता है। हमारा उद्देश्य मौजूदा बाधाओं को दूर करना है, हमें सभी सेक्टर्स में ऐसा करना चाहिए, जिससे आयात-निर्यात और निवेश का बेरोकटोक फ्लो सुनिश्चित हो सके।

राजनाथ सिंह ने दी नए राफेल सौदे को मंजूरी

नई दिल्ली

भारतीय वायुसेना की ताकत में अब पहले से ज्यादा बढ़ने वाली है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल की बैठक में नए राफेल फाइटर जेट्स की खरीद को हरी झंडी दे दी गई है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब भारत अपनी हवाई सीमाओं को और अधिक सुरक्षित बनाने के लिए 'स्क्वाड्रन' की संख्या बढ़ाने पर जोर दे रहा है। लंबे समय से अपनी लड़ाकू क्षमताओं के आधुनिकीकरण पर काम कर रही है।

नए राफेल जेट्स के आने से न केवल बेड़े की ताकत बढ़ेगी, बल्कि पड़ोसी देशों की चुनौतियों के बीच भारत की Operational Readiness यानी युद्ध की तैयारी भी और मजबूत होगी।

यह सौदा केवल खरीद तक सीमित नहीं है। इसमें 'मेक इन इंडिया' के तहत स्वदेशी उत्पादन, एमआरओ (मैन्टेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल) सुविधाओं के विकास और उच्च तकनीक के हस्तांतरण पर विशेष फोकस किया गया है। इससे भारत रक्षा क्षेत्र में वैश्विक हब बनने की दिशा में कदम बढ़ाएगा।

बांग्लादेश चुनाव: हिंसा के बावजूद मतदान केंद्रों पर लगी लंबी कतारें

ढाका

बांग्लादेश में गुरुवार को 13वें संसदीय चुनाव के तहत मतदान जारी है। चुनाव आयोग के वरिष्ठ सचिव अख्तर अहमद ने बताया कि दोपहर 12:00 बजे तक 32,789 मतदान केंद्रों पर मतदान हुआ। इस बीच, गोपालगंज और मुंशीगंज में सुबह-सुबह देसी बम धमाके हुए। डेली स्टार अखबार के मुताबिक, आज के चुनाव में 2,000 से ज़्यादा उम्मीदवार मैदान में हैं, लेकिन उनमें से सिर्फ़ 109 महिलाएं हैं। देशभर में लगभग 9.5 लाख सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। 394 अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षक और 197 विदेशी पत्रकार चुनाव पर नजर बनाए हुए हैं।

यह चुनाव 84-सूत्रीय सुधार पैकेज पर जनमत संग्रह के साथ हो रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग पर प्रतिबंध के चलते मुख्य मुकाबला बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले गठबंधन के बीच है।

शोध ऐसा हो, जो बदल दें सबकी सोच : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भारतीय संस्कृति में एकल शोध नहीं, समग्र कल्याण आधारित है शोध की परंपरा

भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि शोध अकादमिक गतिविधि मात्र नहीं, यह समाज और राष्ट्र की दिशा बदलने वाली शक्ति है। कोई भी शोध इतना उच्च कोटि का होना चाहिए जो हम सबकी सोच को एक नई दृष्टि, नई दिशा भी दे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी शोधार्थियों से आह्वान किया कि वे देश के विकास के लिए अपनी जिज्ञासा और रुचि के अनुसंधान क्षेत्रों में निर्भीक होकर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि जैसे आवश्यकता आविष्कार की जननी है, वैसे ही शोध विज्ञान और सभी वैज्ञानिक पद्धतियों का जनक है। मानवीय प्रज्ञा में जब वैज्ञानिक ज्ञान का समावेश हो जाता है, तब वह 'प्रज्ञान' का रूप ले लेती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् के विज्ञान भवन में श्री दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय शोधार्थी समागम (नेशनल रिसर्चर्स मीट) 2026 को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विज्ञान के विकास में ही देश का समग्र विकास निहित है। मध्यप्रदेश को शोध और नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शोध समाज के विकास का आधार है और इसे आधुनिक, परिष्कृत तथा परिमार्जित दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शोधार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे परंपरागत धारणाओं तक सीमित न रहें, बल्कि नवीन विचारों और वैज्ञानिक दृष्टि के साथ ऐसे शोध प्रस्तुत करें, जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शोध सिर्फ़ एक शैक्षणिक आवश्यकता नहीं, सामाजिक परिवर्तन और विकास का सशक्त माध्यम भी है। दुनिया के ज्ञान पर पश्चिम का प्रभाव पड़ा है। भारतीय संस्कृति भी इससे प्रभावित हुई। हमारी संस्कृति में एकल शोध की परंपरा कभी नहीं रही। शोध समाज आधारित होना चाहिए, जिसमें राष्ट्र के कल्याण की बात कही जाए। दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान राष्ट्रीय शोधार्थी समागम के माध्यम से देश के शोधार्थियों को नई दिशा प्रदान कर रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने Mahakal The master of timeÓ वेबसाइट का शुभारंभ, महाकाल ब्रोशर सहित मैपकास्ट द्वारा आयोजित होने वाले '41वें मध्यप्रदेश युवा वैज्ञानिक सम्मेलन एवं विज्ञान उत्सव' के पोस्टर का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री ने दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान द्वारा अनुसंधान परक लेखन पर आधारित सात पुस्तकों का भी विमोचन भी किया। राष्ट्रीय शोधार्थी समागम में देशभर से आए शोधार्थियों, शिक्षाविदों और विशेषज्ञों की सहभागिता रही। आगामी 14 फरवरी तक चलने वाले इस समागम में शोध, विज्ञान और नवाचार के विविध आयामों पर विमर्श होगा। पूज्य आचार्य श्री मिथलेशनन्दिनीशरण महाराज ने कहा कि मध्यप्रदेश ने महाकाल की प्रतिष्ठा से विश्व को अवगत कराया है। हम दुनिया को सर्वस्व दे रहे हैं, क्योंकि हमारे पास महाकाल हैं। शोधार्थी एक प्रकार से बोधार्थी भी हैं, जो शोध हमें बोध तक न ले जाए, वो व्यर्थ है। मनुष्य का ज्ञान चिंतन आधारित है, न कि डाटा आधारित।

प्रधानमंत्री कुसुम योजना

किसानों के आवेदन वर्षो से लंबित लेकिन ऊर्जा विकास निगम के अफसर बिल्डरों पर लुटा रहे किसानों के सोलर प्लांट

पृथ्वीपाल सिंह अहलूवालिया

मध्यप्रदेश के 1200 से अधिक किसान अपने खेतों में बिजली पैदा करना चाहते हैं, इसके लिए लाखों रुपए खर्च कर खेत तैयार किए, दस्तावेजों की कमी पूरी की और प्रधानमंत्री कुसुम योजना-ए के तहत आवेदन किए। लेकिन इनके आवेदन एक साल से धूल खा रहे हैं। किसानों का कहना है कि उन्हें सोलर प्लांट लगवाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। जबकि उक्त योजना के तहत किसानों को 500 किलोवॉट से लेकर 2 मेगावॉट क्षमता के सोलर प्लांट लगवाने की स्वीकृति दी जानी थी। उक्त योजना का लक्ष्य है कि किसान अपने उपयोग की बिजली सोलर प्लांटों के जरिए खुद बनाएं और उपयोग के बाद भी यदि बिजली बचती है तो उसे बेचकर लाभ कमाए। यही नहीं, केंद्र सरकार सोलर प्लांट के जरिए बिजली पैदा कर कोयला आधारित बिजली के खतरों को कम करने और ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा भी देना चाहती है। वहीं किसानों के आरोप है कि अर्जा विकास निगम के अधिकारी उन्हें अनदेखा कर रहे हैं। जबकि कई बिल्डरों व उद्योगपतियों को लाभ दिए हैं। मप्र के एक बड़े समूह को 1500 मेगावॉट का प्रोजेक्ट दिया, लेकिन किसानों की सुनवाई नहीं हो रही है।

एमडी ने हवा किया मंत्री का पत्र

प्राप्त जानकारी अनुसार कुछ किसानो ने फरवरी 2025 में आवेदन किए थे। संबंधितों ने नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला को शिकायत की। इस आधार पर उन्होंने ऊर्जा विकास निगम के एमडी को पत्र भी लिखा। तब भी किसानों को तवज्जों नहीं दी जा रही है। किसानों का कहना है कि सोलर प्लांट न लग पाने के कारण उनकी जमीन बंजर पड़ी है। ऐसा इसलिए क्योंकि सोलर प्लांट की अनुमति मिलने के इंतजार में उन्होंने लगातार चार फसलें नहीं लीं, जिसके कारण उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

1 साल बाद भी सुनवाई नहीं

किसानों का आरोप है कि शासन के नियमों के अनुरूप उन्होंने ऑनलाइन आवेदन किए। फीस जमा की और जमीन को प्लांट लगाने के लिए तैयार भी कराया। इसमें कई रुपए खर्च किए गए। लेकिन ऊर्जा विकास निगम में एक साल से आवेदन पड़े हुए हैं। इन पर कोई विचार ही नहीं किया जा रहा है। किसानों को दफ्तरों के चक्कर लगवाए जा रहे। केंद्र सरकार की यह योजना किसानों की ऊर्जा की कमी की समस्या दूर कर सकती थी, लेकिन विभाग इसका लाभदिलाने दिलचस्पी नहीं ले रहा।

सिटी टुडे ने किसानों से जाना दर्द

11 हजार 800 रुपए शुल्क जमा वार आवेदन किया। एक वर्ष से अधिक हो चुके हैं। ऊर्जा विकास निगम में 50 से ज्यादा चक्कर लगा चुका है. अधिकारी मना भी नहीं करते और अनुमति भी नहीं उक जमीन में प्लांट लगाने के लिए 10 लाख रुपए वर्ष हो चुके हैं। कोई सुनवाई नहीं हो रही, जबकि बिल्लारों व उद्योगपतियों के काम्र पहले हो रहे हैं।

बलविंदर सिंह
किसान (डबरा, पिछोर)

आवेदन किए एक साल से अधिक का समय हो चुका है. ऊर्जा विकास निगम के अधिकारी हर बार आश्वासन देते हैं। जबकि हमारे क्षेत्र में बिजली की कमी है. यदि सोलर पनांट लग जाए तो स्वयं के साथ आसपास के किसानों को भी फायदा होगा।

निर्मल सिंह
किसान (दतिया इंदरगढ़)

कम से कम शुल्क ही वापस दे दें, लेकिन ऊर्जा विकास निगम के अधिकारी यह भी नहीं कर रहे हैं। कई बार संपर्क कर चुके हैं, सरकार कहती है कि किसानों को कोई दिक्कत नहीं आने देंगे, लेकिन हकीकत में किसानों को परेशान किया जा रहा है।

शेयर बाजार भी धड़ाम, 400 अंक से ज्यादा टूटा सेंसेक्स

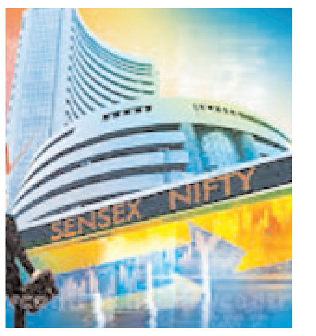

नई दिल्ली

आज भारतीय वित्तीय बाजारों में कमजोरी का माहौल देखने को मिला। एक ओर जहां शेयर बाजार की शुरुआत तेज गिरावट के साथ हुई और सेंसेक्स-निफ्टी लाल निशान में फिसल गए, वहीं दूसरी ओर सोना और चांदी की कीमतों में भी गिरावट दर्ज की गई। इक्विटी से लेकर कमोडिटी तक, बाजार के विभिन्न सेगमेंट में दबाव के चलते निवेशकों में सतर्कता का माहौल नजर आया।बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स अपने पिछले बंद 84,233.64 अंक के मुकाबले 83,968.43 पर खुला। कारोबार शुरू होते ही बिकवाली बढ़ी और इंडेक्स 438 अंकों की गिरावट के साथ 83,795.65 के स्तर तक फिसल गया।

सोना-चांदी के दामों में गिरावट

शेयर बाजार की कमजोरी के साथ मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर कीमती धातुओं में भी गिरावट दर्ज की गई। 5 मार्च एक्सपायरी वाली चांदी का भाव पिछले कारोबारी सत्र के 2,63,018 रुपये प्रति किलोग्राम से घटकर 2,60,453 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया। यानी एक दिन में 2,565 रुपये की गिरावट हुई। चांदी अपने रिकॉर्ड हाई 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर से अब तक 1,59,595 रुपये सस्ती हो चुकी है। वहीं 2 अप्रैल एक्सपायरी वाले 24 कैरेट सोने (10 ग्राम) का भाव पिछले बंद 1,58,755 रुपये से गिरकर 1,57,701 रुपये पर आ गया, जो 1,054 रुपये की कमी दर्शाता है। सोना अपने 29 जनवरी के रिकॉर्ड हाई 1,93,096 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर से फिलहाल 35,395 रुपये सस्ता मिल रहा है।

रेलवे और सेंट्रल बैंक के बीच समझौता

भोपाल। पमरे और सेंट्रल बैंक के बीच बुधवार को महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन एमओयू हुए। इस समझौते का उद्देश्य रेलवे कर्मचारियों को विशेष वेतन पैकेज और उन्नत बैंकिंग सेवाएं प्रदान करना है। समझौते के तहत सेंट्रल बैंक रेलवे के कर्मचारियों को सेंट प्रेस्टिज सैलरी पैकेज के विशेष सुविधाएं देगी। समझौता ज्ञापन पर रेलवे के प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी एसडी पाटीदार एवं बैंक के महाप्रबंधक डीके पाण्डेय उपस्थित में उप मुख्य कार्मिक अधिकारी पूर्णिमा जैन और महाप्रबंधक धर्मपाल खुड़ाना ने हस्ताक्षर किए।

सीएम को लघु उद्योग निगम लाभांश करेगा भेंट

भोपाल। मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम अपने संचित लाभ में से जल्द ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को लाभांश के रूप में राशि भेंट करेगा। एमएसएमई मंत्री एवं निगम अध्यक्ष चेतन्य कुमार काश्यप ने बताया कि निगम अपनी आय बढ़ाने के लिए आगामी वित्त वर्ष में बड़ी मात्रा में कार्य आदेश जारी करेगा। वे कर्मचारी चयन मंडल से समन्वय कर प्रबंधक आदि के रिक्त पदों पर भर्ती सुनिश्चित करवाएं। इस दौरान निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों को मध्यप्रदेश शासन के समान देय यात्रा भत्ता की दरों को लागू किए जाने का भी निर्णय लिया गया। इस दौरान अनेक वर्षों के लेखों का अनुमोदन किया गया।

ट्रेड यूनियन के संयुक्त मोर्चे ने निकाला जुलूस

भोपाल। बुधवार की शाम को एमपी नगर के पीएनबी बैंक के सामने से विभिन्न मागों को लेकर ट्रेड यूनियन के संयुक्त मोर्चे इंटक, सीटू, एचएमएस, बैंक, बीमा, केंद्रीय कर्मचारी, बीएसएनएल के संगठनों ने श्रमिक नेता दीपक गुप्ता के नेतृत्व में मशाल जुलूस निकाला। इस दौरान नारेबाजी कर सरकार से श्रमिकों की समस्याओं के निराकरण की मांग की गई। जुलूस में नेतृत्व कर रहे श्रमिक नेताओं ने गुरुवार की हड़ताल को जिले में सफल करने का आह्वान किया है। गुप्ता ने बताया कि सभी कर्मचारी अपने बैनरों के साथ पंजाब नैशनल बैंक के समक्ष डाक भवन चौराहे पर एकत्र होकर सुबह 11 बजे से रैली निकालेंगे। इसके पश्चात हड़ताली सभा होगी।

राजा की मंडी स्टेशन पर रूकेगी छत्तीसगढ़

भोपाल। रेल प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए भोपाल होकर जाने वाली गाड़ी 18238 अमृतसर-बिलासपुर एक्सप्रेस राजा की मंडी स्टेशन पर हाल्ट दिया है। इसके लिए समय सारिणी में आंशिक संशोधन करते हुए राजा की मंडी स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय 07.04 व 07.06 बजे की बजाय तत्काल प्रभाव से आगमन/प्रस्थान समय 07.08 व 07.10 बजे किया है। वहीं इटारसी होकर रीवा-सीएसएमटी-रीवा के बीच संचालित साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन दोनों दिशाओं में 17-17 ट्रिप बढ़ा दिए हैं। ये ट्रेन अब रीवा से प्रत्येक गुरूवार 26 जून तक तथा मुम्बई से प्रत्येक शुक्रवार 27 जून तक चलेगी।

पन्द्रह एकड़ में विकसित पंडित दीनदयाल उद्यान का लोकार्पण

कटारा बर्रई को मिली विकास की नई पहचान पुण्यतिथि पर हुआ प्रतिमा का अनावरण

भोपाल

हुजूर विधानसभा क्षेत्र के कटारा बर्रई में बुधवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि के अवसर पर 15 एकड़ भूमि पर निर्मित भव्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय उद्यान का लोकार्पण किया गया। इसी दौरान उद्यान परिसर में स्थापित पंडित जी की प्रतिमा का अनावरण भी किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह और विधायक रामेश्वर शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं नागरिकों ने कार्यक्रम में सहभागिता की। सांदीपनि विद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया का शुभारंभ-उद्यान लोकार्पण के साथ ही बर्रई स्थित नवनिर्मित सांदीपनि विद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया का भी शुभारंभ किया गया।

अंत्योदय के संकल्प को समर्पित उद्यान

लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन राष्ट्र समर्पण, संगठन और अंत्योदय के सिद्धांतों का प्रतीक रहा है। उनकी पुण्यतिथि पर इस उद्यान का लोकार्पण अत्यंत सार्थक है। उन्होंने विधायक रामेश्वर शर्मा को इस पहल के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह उद्यान आने वाली पीढ़ियों को समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देता रहेगा।

'पार्क नहीं, प्रेरणा केंद्र' : शर्मा

विधायक रामेश्वर शर्मा ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 'अंत्योदय' का सिद्धांत उनके लिए मार्गदर्शक है और क्षेत्र का हर विकास कार्य इसी भावना से प्रेरित है। यह उद्यान केवल हरित क्षेत्र नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति और संस्कारों का केंद्र बनेगा।

युवा पीढ़ी को विचारों से जोड़ने का माध्यम

स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने कहा कि पंडित जी का चिंतन केवल राजनीतिक दर्शन नहीं, बल्कि समाज के सर्वांगीण विकास का मार्ग है। ऐसे उद्यान और स्मारक नई पीढ़ी को उनके विचारों से जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के साथ वैचारिक चेतना को सशक्त करना भी आवश्यक है।

पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर भाजपा ने प्रदेशभर में किए श्रद्धांजलि कार्यक्रम

पंडित जी ने प्रतिपादित किए गरीब उत्थान और समानता के सिद्धांत : डॉ. यादव

भोपाल

जनसंघ के संस्थापक, एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर भाजपा ने प्रदेशभर में पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किए। प्रदेशभर में बूथ स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर स्व. उपाध्याय की प्रतिमाओं पर भाजपा नेताओं, पदाधिकारियों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में लालघाटी स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय ने गरीबों के उत्थान, समाज में समानता और स्वावलंबन को लेकर जो मार्गदर्शन दिया, वह आज भी हमारे लिए प्रेरणास्रोत हैं। भाजपा सरकारें एकात्म मानववाद के सिद्धांतों पर चलते हुए अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए कार्य कर रही हैं। दीनदयाल जी ने समाज में समानता के नए सिद्धांत प्रतिपादित किए हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने बैतूल विधानसभा क्षेत्र के गंज मंडल, टैगोर वार्ड, बूथ क्रमांक 112 में पं. दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के समय से ही दुनिया में दो विचारधाराओं का प्रभाव रहा। एक तरफ समाजवाद और दूसरी तरफ चीन में माओवाद और उनके समर्थक थे। अमेरिका और अन्य देशों ने समाजवाद का अलग रूप देखा, लेकिन ऐसे समय में पं. दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय संस्कृति और लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर गरीबों के उत्थान और समाज में समानता के नए सिद्धांत प्रतिपादित किए। उन्होंने अमीर और गरीब के बीच भावनात्मक संबंध स्थापित करने और समाज में स्वावलंबन के मार्ग को दिखाने का अद्वितीय कार्य किया। उन्होंने सांस्कृतिक विरासत के साथ सनातन संस्कृति को जोड़कर बेहतर से बेहतर क्या हो सकता है, उसे प्रतिपादित किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश दृढ़ता से खड़ा है और विभिन्न क्षेत्रों में गरीबों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, गैस, रोजगार और स्वावलंबन की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। इस दौरान मध्यप्रदेश शासन के मंत्री विश्वास सारंग, जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति, महापौर श्रीमती मालती राय एवं जिला प्रभारी जसवंत सिंह हाड़ा सहित जिला पदाधिकारी उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय संगठन महामंत्री ने अर्पित किए श्रद्धासुमन

भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में पं. दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र बरूआ, सुरेंद्र शर्मा, प्रदेश मंत्री लोकेन्द्र पाराशर एवं प्रदेश कार्यालय मंत्री श्याम महाजन सहित पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि पर भोपाल में निकलेगी 150 स्थानों पर भव्य शिव बारात

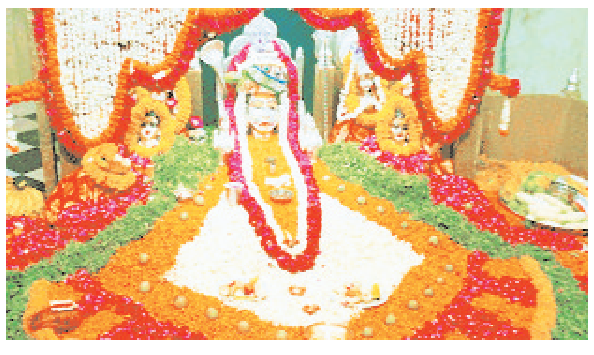

भोपाल

आगामी 15 फरवरी को महाशिवरात्रि पर्व के लिए तैयारियां अंतिम चरण में हैं। शहर के प्रमुख शिवालयों बड़वाले महादेव, गुफा मंदिर, गोविंदपुरा पशुपतिनाथ मंदिर आदि में रंग-रोगन, साज-सज्जा और मेला मैदान की सफाई का काम तेज़ी से चल रहा है। इस वर्ष भव्य शिव बारात, महा-रुद्राभिषेक, और विशेष श्रृंगार कार्यक्रमों का आयोजन होगा। बड़वाले महादेव मंदिर में 21 दिवसीय महाशिवरात्रि महोत्सव के अंतर्गत विवाह की रस्में हल्दी-मेहंदी चल रही हैं, जिसमें पारंपरिक गारी-गीत गाए जा रहे हैं। बाबा बटेश्वर को हल्दी-मेहंदी की रस्म के बाद पीले चावल देकर भक्तों को आमंत्रण दिया जा रहा है। इस अवसर पर शहर में 150 से अधिक शिव बारात और झांकियां निकालने की तैयारी की जा रही है, जिसके लिए थीम तय की जा चुकी हैं।

नर्मदेश्वर शंकर मंदिर में 13 से होगा धार्मिक आयोजन

भवानीधाम फेस-2 स्थित नर्मदेश्वर शंकर मंदिर में मोहल्ला कल्याण समिति ने महाशिवरात्रि पर 13, 14 एवं 15 फरवरी को तीन दिवसीय धार्मिक आयोजन होगा। तीनों दिवस प्रात:काल से शिवलिंग निर्माण कर सायं 6 बजे से 7 बजे तक रुद्राभिषेक एवं भगवान भोलेनाथ की महाआरती होगी। 15 फरवरी को सायं 6 बजे से हवन-पूजन, पूर्णाहुति एवं भव्य महाआरती के बाद फलाहार प्रसाद बटेंगा। इसके बाद भोलेनाथ की भव्य बारात निकाली जाएगी। समस्त पूजन अनुष्ठन पंडित आचार्य विनोद तिवारी करेंगे।

कनुप्रिया ने नाट्य प्रस्तुति देकर किया भावुक

भोपाल

पद्मश्री से सम्मानित साहित्यकार ऊषाकिरण खान की द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर हिंदी भवन में 'यादों के झरोखों में उषाकिरण खान एक शाश्वत इंद्रधनुष' संपन्न हुआ। इस अवसर पर टेलीविजन कलाकार कनुप्रिया शंकर पंडित ने ऊषाकिरण की कहानी 'एक है जानकी' पर भावभीनी नाट्य प्रस्तुति दी, जिसे देख उपस्थित सभी लोग भावविभोर हो उठे।

जानकारी के अनुसार हिन्दी और मैथिली की विख्यात साहित्यकार पद्मश्री ऊषाकिरण खान की याद में बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में साहित्य जगत की जानी-मानी हस्तियों ने ऊषाकिरण खान के व्यक्तित्व और कृतित्व पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विख्यात आलोचक डा. विजय बहादुर सिंह ने कहा कि बहुत कम ऐसी रचना होती है जो मन को छू पाती है, लेकिन उनकी रचनाएं हृदय तक पहुंचती है। उन्होंने मैथिली भाषा की प्रसिद्ध लेखिका की रचनाओं को याद करते हुए कहा कि मिथिला ब्राह्मणों की ही नहीं विद्वानों की भूमि है।

भारत भवन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी प्रेम शंकर शुक्ल ने कहा कि ऊषा किरण के लिए विद्या ही उनका मिशन था, वह ऐसी दुर्लभ लेखिका थीं जिन्हें बाबा नागार्जुन अपनी बेटी की तरह मानते थे। उन्होंने कहा कि ऊषा किरण खान पर माँ सरस्वती की विशेष कृपा थी। प्रसिद्ध कथाकार डा. उर्मिला शिरीष ने उषा किरण खान विलक्षण लेखिका बताते हुए कहा उनके पास ज्ञान का अपरिमित स्त्रोत था। वे किसी भी विषय पर गहराई तक जा कर बातें करती थीं जो एक शिक्षाविद होने के नाते उन्हें बेहद पसंद था। उषा जी का लेखन जितना समृद्ध था उनका व्यक्तित्व उतना ही विराट। सबको साथ लेकर चलना उनका विशेष गुण था। वे कालजयी लेखिका थीं। सारस्वत अतिथि के तौर पर वरिष्ठ कथाकार डा. संतोष श्रीवास्तव ने कहा वे दो भाषाओं में ही सिमटकर नहीं रही बल्कि पूरे भारत की भाषाओं में उनका साहित्य पढ़ा जाता है। कवि और शिक्षाविद् डॉ अरुणाभ सौरभ ने कहा कि अगर मैथिली के दर्शन को समझना है तो ऊषा किरण की रचना से बेहतर कुछ नहीं है। आजादी के पहले मिथिला का समाज कैसा है उसे ऊषा किरण ने अच्छे से प्रस्तुत किया है। कार्यक्रम में प्रसिद्ध कथाकार डा. उर्मिला शिरीष,वरिष्ठ कथाकार डा. संतोष श्रीवास्तव भी शामिल हुए।

विजयदत्त श्रीधर के कृतित्व पर चन्द्रमणि को पीएचडी

भोपाल

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा ने शोध अध्येता चंद्रमणि के शोध प्रबंध 'विजयदत्त श्रीधर की पत्रकारिता में इतिहास बोध पर पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की है।

राष्ट्रीय बौद्धिक धरोहर के संरक्षण के लिए माधवराव सप्रे स्मृति समाचारपत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान की स्थापना तथा पत्रकारिता विषयक ग्रंथों के शोध-प्रलेखन के लिए विजयदत्त श्रीधर को पद्मश्री सहित अनेक राष्ट्रीय सम्मानों से अलंकृत किया गया है।

शोध-छात्र चंद्रमणि ने उनके बहुआयामी कृतित्व को चार अध्यायों में बाँटकर अध्ययन किया है। ये अध्याय हैं- विजयदत्त श्रीधर के लेखन और संपादन में इतिहास बोध, विजयदत्त श्रीधर की पत्रकारिता सामाजिक सरोकार और लोक-चेतना, बौद्धिक धरोहर: संदर्भ संपदा का दस्तावेजीकरण तथा स्वतंत्रता परवर्ती पत्रकारिता का अनुशीलन : विजयदत्त श्रीधर की भूमिका। हिन्दी विवि, वर्धा के जनसंचार विभाग के प्रोफेसर डा. कृपाशंकर चौबे के मार्गदर्शन में यह शोध-अध्ययन किया गया है।

रेडियो की विश्वसनीयता कायम

भोपाल

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के तेजी से विस्तार के बीच भी रेडियो अपनी विश्वसनीयता, संवेदनशीलता और मानवीय जुड़ाव के कारण प्रासंगिक बना हुआ है। यह बात यूनीसेफ मध्य प्रदेश और आकाशवाणी के सहयोग से बुधवार को यहां रेडियो दिवस की वैश्विक थीम 'एआई और रेडियो - बच्चों की आवाज' पर आयोजित कार्यक्रम में कही गई। कार्यक्रम में छात्र, आकाशवाणी के प्रस्तुतकर्ता, मीडिया और संचार विशेषज्ञों के अलावा भोपाल, धार और झाबुआ के बच्चे और आकाशवाणी, विविध भारती तथा 'लेकसिटी लाइव' के आरजे शामिल हुए।

रेडियो निरंतर विकसित हो रहा

आकाशवाणी के कार्यक्रम प्रमुख राजेश भट ने कहा कि एआई से प्रतिस्पर्धा के बावजूद रेडियो निरंतर विकसित हो रहा है। निरंतरता, नैतिक जिम्मेदारी और विश्वसनीयता उसकी सबसे बड़ी ताकत है। यूनीसेफ के संचार विशेषज्ञ अनिल गुलाटी ने कहा कि रेडियो 'मन का रंगमंच' और संवाद का भरोसेमंद माध्यम है। डिजिटल युग में भी रेडियो ने अपना मूल स्वरूप बरकरार रखते हुए खुद को समयानुकूल ढाला है। संवाद में पॉडकास्टर निधि कौशिक व अन्य विशेषज्ञों ने कहा कि रेडियो प्रसारण की भावनात्मक गहराई, विश्वसनीयता और मानवीय स्पर्श की जगह एआई कभी नहीं ले सकता।

राष्ट्रीय स्तर पर मप्र को मिला गोल्ड एक्सीलेंस अवॉर्ड

भोपाल

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयुष विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मप्र को राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड एक्सीलेंस अवॉर्ड दिया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान मप्र को औषधीय पौधों के संरक्षण, संवर्धन, वैज्ञानिक खेती, सतत उपयोग, किसान-जनजातीय सहभागिता तथा मार्केट लिंकेज के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रदान किया गया। राज्य की ओर से पुरस्कार प्राप्त करने के बाद आईएएस अधिकारी व अपर सचिव आयुष विभाग व सचिव-सह-सीईओ राज्य औषधीय पादप बोर्ड डॉ. संजय मिश्रा ने इस उपलब्धि का श्रेय किसानों, जनजातीय समुदायों, मैदानी अमले तथा विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों को दिया है। जिससे न केवल आयुष उद्योग के लिए कच्चे माल की उपलब्धता बढ़ी है, बल्कि ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों में अतिरिक्त आजीविका के अवसर भी सृजित हुए हैं।

मासूमों की मौत और भ्रष्टाचार पर सरकार को घेरने की तैयारी में कांग्रेस

मप्र विधानसभा का बजट सत्र 16 से, बजट 18 को पेश होगा

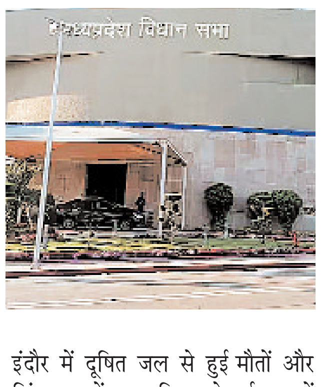

भोपाल

मध्यप्रदेश विधानसभा का बजट सत्र 16 फरवरी से आरंभ होगा। विधानसभा सचिवालय ने सत्र की तैयारियां पूरी कर ली हैं। वहीं पुलिस-प्रशासन ने भी सत्र को लेकर सुरक्षा-व्यवस्था के पुख्ता प्रबंध किए हैं। मप्र विधानसभा के 19 दिवसीय बजट सत्र में कुल 12 बैठकें होंगी। सत्र की शुरूआत राज्यपाल के अभिभाषण से होगी। इसके बाद सदन राज्यपाल के अभिभाषण पर कृतज्ञता ज्ञापित करेगा।हालांकि सत्र के दौरान विपक्ष सरकार को घेरने की तैयारी में है।प्रश्नकाल में भी विपक्ष गबन-घोटाले और भ्रष्टाचार से जुड़े मुद्दे उठाएगा। वहीं ध्यानकर्षण, शून्यकाल के साथ-साथ इंदौर में दूषित जल से हुई मौतों और छिंदवाड़ा में काफ सिरप से हुई मासूमों की मौतों पर विशेष चर्चा के लिए विपक्ष स्थगन पर चर्चा की मांग करेगा। सरकार का बजट पर फोकस-वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा 18 फरवरी को राज्य सरकार का बजट सदन में पेश करेंगे। सरकार का फोकस बजट पास कराने पर होगा। अनुमान लगाया जा रहा है कि इस बार मप्र सरकार का बजट 4.50 लाख करोड़ से अधिक हो सकता है। बजट में राज्य एवं केन्द्र सरकार की जन कल्याण एवं विकास की योजनाओं में राज्यांश के लिए अतिरिक्त राशि मिल सकती है। महिला एवं बाल विकास विभाग के लाडली बहना, जल संसाधन विभाग के नदी जोड़ो अभियान सहित प्रदेश की सड़कों, पुलों के अलावा सिंहस्थ-2028 के नए एवं चल रहे कामों के लिए सरकार के बजट में विशेष प्रावधान किए जा सकते हैं।

कांग्रेस विधायक दल की बैठक 16 को

सदन में सरकार को घेरने की रणनीति बनाने के लिए नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने 16 फरवरी को राजधानी में 74 बंगला स्थित उनके शासकीय आवास पर शाम 7.30 बजे कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुलाई है। बैठक में सरकार पर कर्ज, दूषित पानी से हुई मौतें, किसानों को समर्थन मूल्य, ओलावृष्टि, युवाओं को रोजगार, जनजातीय अत्याचार सहित प्रदेश की कानून व्यवस्था एवं मुद्दों पर चर्चा के बाद रणनीति बनेगी।

ई-विधान के क्रम में डिजीटल हो चुकी मप्र विधानसभा में यह पहला सत्र होगा जब विधायको को प्रश्नों के उत्तर सहित अन्य जानकारियां डिजीटली उपलब्ध कराई जाएंगी। हालांकि डिजीटल होने के बाद विधानसभा का यह पहला सत्र है।इस कारण अभी दस्तावेज एवं जानकारियां भौतिक रूप से भी उपलब्ध कराई जाएंगी।

पुस्तकें बच्चें के लिए न बनें बोझ : सिंह

भोपाल

स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 न केवल पाठ्यक्रम परिवर्तन का दस्तावेज है, बल्कि यह भारत केन्द्रित, बाल केन्द्रित और भविष्य केन्द्रित शिक्षा दृष्टि है। इसलिए ऐसी पाठ्य पुस्तकें तैयार करें, जो विद्यार्थी में जिज्ञासा, तर्कशक्ति, सृजनशीलता और भारतीयता तथा पर्यावरण के प्रति संरक्षण को विकसित करें। पुस्तकें शिक्षक के लिए मार्गदर्शक बने, तो बच्चों के लिए बोझ न बने।

सिंह, बुधवार को राज्य शिक्षा केंद्र, स्कूल शिक्षा विभाग के होटल अशोका लेकव्यू में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप विषय वस्तु का पुस्तकों में समावेश विषय पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि निजी विद्यालयों में प्रयुक्त पाठ्यपुस्तकों में यह सुनिश्चित करे कि उनमें शिक्षा नीति के निर्देशों के अनुरूप एनसीईआरटी और एससीईआरटी से तैयार विषय वस्तु का समावेश हो। मंत्री सिंह ने निजी विद्यालयों में प्रयुक्त पुस्तकों के लिए अनुभवी शिक्षकों और निजी प्रकाशकों की समिति गठित करने का सुझाव दिया। कार्यशाला में पाठ्य पुस्तक स्थायी समिति के सदस्य डॉ. भागीरथ कुमरावत, आयुक्त लोक शिक्षण शिल्पा गुप्ता ने अपने विचार रखे।

शिवरात्रि पर नगर में निकलेगी भव्य शिव बारात

शिवपुरी। नगर के ऐतिहासिक सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में प्रतिवर्ष की परंपरा अनुसार इस वर्ष भी महाशिवरात्रि पर्व भक्ति, आस्था और सांस्कृतिक उल्लास के साथ भव्य रूप से मनाया जाएगा। इस अवसर पर मंदिर परिसर एवं नगर में चार से पांच दिन तक धार्मिक अनुष्ठानों एवं पारंपरिक आयोजनों की श्रृंखला आयोजित होगी। आयोजन की शुरुआत 12 फरवरी को लग्न गणेश पूजन एवं लग्न संस्कार से होगी। 13 फरवरी को पारंपरिक हल्दी रस्म, 14 फरवरी को मेहंदी समारोह एवं महिला संगीत की तर्ज पर भजन-गायन एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी। इन दिनों मंदिर परिसर को विवाह स्थल की भांति सजाया जा रहा है। साफ-सफाई, रंग-रोगन एवं विशेष सजावट की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। 15 फरवरी, महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर भगवान शिव एवं माता पार्वती का विवाह विधि-विधान से संपन्न कराया जाएगा। इस दिन का मुख्य आकर्षण शिव बारात होगी, जो नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों एवं बाजार क्षेत्रों से होती हुई सिद्धेश्वर महादेव मंदिर पहुंचेगी। बारात में बैंड-बाजे, ढोल-ताशे, धार्मिक झांकियां एवं श्रद्धालुओं का उत्साह आकर्षण का केंद्र रहेगा। मार्ग में श्रद्धालुओं द्वारा जगह-जगह स्वागत की भी व्यवस्था की जाएगी।

पिछोर में 20 करोड़ की जल परियोजना अधूरी

शिवपुरी। पिछोर कस्बे में 20 करोड़ रुपये से अधिक लागत की जल परियोजना अधूरी होने पर रहवासियों ने जिलाधीश को ज्ञापन सौंपकर ठेकेदार एवं संबंधित अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। यह परियोजना मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड द्वारा संचालित मध्यप्रदेश अर्बन वाटर सर्विसेज इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट के अंतर्गत 2051.34 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत की गई थी, किंतु अब तक पूर्ण नहीं हो सकी है। शिकायत के अनुसार, परियोजना 8 अगस्त 2017 को स्वीकृत हुई थी। आरोप है कि ठेकेदार एवं संबंधित अधिकारियों की लापरवाही के चलते जलशोधन संयंत्र का निर्माण अधूरा पड़ा है। कई स्थानों पर पाइपलाइन बिछाई गई है, लेकिन अनेक मोहल्लों में अब तक पाइपलाइन नहीं पहुंच सकी है। पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़कों की मरम्मत भी नहीं कराई गई, जिससे आमजन को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रहवासियों का कहना है कि वे पिछले चार वर्षों से पेयजल संकट से जूझ रहे हैं और उन्हें दो किलोमीटर दूर से पानी लाना पड़ रहा है। गली-मोहल्लों में खोदे गए गड्ढे दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं।

हाईवे पर बनी दुकानों के मालिकों को दिया नोटिस

जौरा

नवीन तहसील कार्यालय के सामने कुछ वर्ष पूर्व राष्ट्रीय राजमार्ग से सटकर बनाई गई दुकानो के मालिकों को राष्ट्रीय राजमार्ग लोक निर्माण विभाग द्वारा नोटिस दिए गए हैं । 11 फरवरी को राष्ट्रीय राजमार्ग लोक निर्माण विभाग के उपन्यत्री केबी दोहरे अपनी टीम के साथ तहसील कार्यालय के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनाई गई दुकानों के मालिकों से मिले और उन्हें इस आशय के नोटिस दिए कि आपके द्वारा दुकान राष्ट्रीय राजमार्ग से सटकर बना दी है। जबकि बीच सड़क से एक निश्चित दूरी होती है । यदि आपके द्वारा लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग नगर पंचायत ग्राम पंचायत या कहीं से कोई अनुमति ली है तो दिखाएं। इस पर दुकान मालिकों द्वारा कुछ दिन का समय मांगा गया । जिस पर से उपयंत्री दोहरे ने उन्हें 18 फरवरी को जो भी कागजात अनुमति है उसे लेकर कार्यालय में दिखाने के लिए समय दिया। गौरतलब है कि इस प्रकरण में पूर्व विधायक महेश दत्त मिश्र द्वारा भी जौरा से लेकर भोपाल तक शिकायत की गई थी कि राष्ट्रीय राजमार्ग तहसील कार्यालय के सामने जो 10 दुकानें बनाई गई हैं वह नियम विरुद्ध बनाई गई है । श्री मिश्र की यह भी शिकायत थी कि राष्ट्रीय राजमार्ग के नियम है कि बीच सड़क से 40 मीटर जगह छोड़ने के बाद दुकान या अन्य निर्माण किया जाना चाहिए। उक्त मुद्दा विधानसभा में भी उठाया जा चुका है । उक्त प्रकरण में तत्कालीन तहसीलदार नरेश शर्मा की मनमानी नियमों को ताक पर रखने की भी शिकायत पूर्व विधायक महेश मिश्रा ने की थी । चर्चाएं इस बात की भी हो रही हैं कि यदि दुकानदारों के पास नियमानुसार दुकान बनाने की परमिशन है तब तो दुकान यथावत रहेगी यदि अनुमति कहीं से नहीं ली गई है तो भविष्य में दुकानों पर बुलडोजर भी चल सकता है। फिलहाल नोटिस पर से दुकान मालिक टेंशन में तो है ही।

महाशिवरात्रि पर महाकाल की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी

पोरसा। महाकाल भगवान की भव्य शोभा यात्रा नगर भ्रमण 15 फरवरी को दोपहर 11 बजे मुक्तिधाम से बैंड बाजो के साथ निकाली जाएगी। यह पोरसा का पहला अवसर होगा जब महाकाल भगवान नगर भ्रमण पर निकलेंगे , जिसकी तैयारियां जोरो से चल रही हैं। जगह-जगह स्वागत होगा। बारात में लोगों को शामिल होने के लिए आमंत्रित करने के लिए समाजसेवी डॉक्टर अनिल गुप्ता द्वारा आज शहर में संपर्क किया गया। उज्जैन की तर्ज पर पोरसा में महाकाल की सवारी शोभायात्रा पहली वार निकलेगी। महाशिवरात्रि महोत्सव पर पालकी नगर में भ्रमण करेगी। भोले की बारात भूतों के साथ मुक्तिधाम से चलकर सबसे पहले पुरानी बस्ती स्थित गोवर्धन गिरिराज जी मंदिर पर पहुंचेगी, जहां उनका स्वागत होगा। इसके बाद नागाजी मंदिर पहुंचेगी,, फिर सराफा बाजार होते हुए बारात इमली चौक , नगर पालिका ,सदर बाजार, सब्जी मंडी रोड, बांसी वाला मंदिर व उसके बाद शाम 5:00 बजे बारात वापस मुक्तिधाम पहुंचेगी, जहां शादी समारोह का महा उत्सव मनाया जाएगा।

सिलपुरा कंजर डेरा से 27 लाख रुपए की अवैध शराब जब्त

शिवपुरी

पिछोर क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार पर आबकारी विभाग ने बुधवार तड़के करारी कार्रवाई कर पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया। खनियाधाना के पास स्थित सिलपुरा कंजर डेरा पर की गई सुनियोजित दबिश में विभाग ने लगभग 27 लाख रुपए से अधिक कीमत की अवैध मदिरा सामग्री नष्ट व जब्त की।

यह बड़ी कार्रवाई जिलाधीश रविंद्र चौधरी एवं उपायुक्त आबकारी, संभागीय उड़नदस्ता ग्वालियर संदीप शर्मा के निर्देशन में की गई। जिला आबकारी अधिकारी शुभम दांगोड़े के नेतृत्व में गठित टीम ने वृत्त पिछोर प्रभारी लोकेश बेवारिया की अगुवाई में क्षेत्र के कई संदिग्ध ठिकानों पर दबिश दी।

जैसे ही टीम सिलपुरा कंजर डेरा पहुंची, वहां अवैध शराब निर्माण का बड़ा जखीरा मिला। कार्रवाई के दौरान मौके से 27,200 किलोग्राम गुड़ लहान (कच्ची शराब बनाने की सामग्री) बरामद की गई। आबकारी अमले ने विधिवत सैंपल लेकर पूरे लहान को मौके पर ही नष्ट कर दिया, जिससे हजारों लीटर कच्ची शराब बनने से पहले ही रोक दी गई। इसके अलावा 46 लीटर हाथ-भट्टी मदिरा भी जब्त की गई।

जब्त और नष्ट की गई सामग्री की कुल अनुमानित कीमत 27,69,200 रुपए बताई जा रही है। आबकारी विभाग ने इस मामले में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) के तहत कुल 10 आपराधिक प्रकरण दर्ज किए हैं।

10वीं-12वीं बोर्ड की तरह अब 9वीं व 11वीं में भी सप्लीमेंट्री परीक्षा खत्म

अब एक या एक से अधिक विषय में फेल होने पर होगी द्वितीय अवसर परीक्षा

शिवपुरी

माध्यमिक शिक्षा मंडल, भोपाल ने हाई स्कूल व हायर सेकेंडरी की तर्ज पर कक्षा 9 एवं 11 में मौजूदा शिक्षण सत्र से पूरक परीक्षा की व्यवस्था समाप्त कर दी है। इस संबंध में डीपीआई भोपाल से आदेश जारी किया गया है कि अब 9वीं और 11वीं में भी कक्षा 10वीं व 12वीं की तरह पूरक परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी, बल्कि उसके स्थान पर द्वितीय अवसर परीक्षा आयोजित की जाएगी।

जिला शिक्षा अधिकारी विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि द्वितीय अवसर परीक्षा आगामी जुलाई माह में आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा में एक या एक से अधिक विषय में अनुत्तीर्ण तथा अनुपस्थित रहने वाले सभी परीक्षार्थी पुनः परीक्षा दे सकेंगे।

जिला परीक्षा प्रभारी राजाबाबू आर्य ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2024-25 से माध्यमिक शिक्षा मंडल ने कक्षा 10वीं व 12वीं के लिए पूरक परीक्षा समाप्त कर द्वितीय अवसर परीक्षा की व्यवस्था लागू की थी। पिछले वर्ष द्वितीय अवसर परीक्षा जून व जुलाई माह में आयोजित की गई थी। अब यही व्यवस्था कक्षा 9वीं व 11वीं के विद्यार्थियों के लिए भी लागू की गई है। नई व्यवस्था के तहत अब पूरक परीक्षा समाप्त कर द्वितीय अवसर परीक्षा आयोजित की जाएगी, जो आगामी जून माह के बाद होगी। इससे उन विद्यार्थियों को लाभ होगा जो एक से अधिक विषयों में अनुत्तीर्ण हुए हों या परीक्षा में अनुपस्थित रहे हों।

हालांकि प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग के इस निर्णय को लेकर कुछ लोगों में असहमति भी है। उनका कहना है कि 9वीं और 11वीं की परीक्षा स्थानीय स्तर पर आयोजित होती है, ऐसे में द्वितीय अवसर परीक्षा का औचित्य स्पष्ट नहीं है। कुछ लोगों का यह भी मत है कि सरकार का उद्देश्य विद्यार्थियों को अधिक अवसर देकर परीक्षा परिणाम सुधारना है।

पं. दीनदयाल उपाध्याय के सपनों को साकार कर रहे प्रधानमत्री मोदी : बिरथरे

शिवपुरी

भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय शिवपुरी में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि को समर्पण दिवस के रूप में श्रद्धा, विचार और संकल्प के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर राष्ट्रसेवा के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।पूर्व विधायक एवं प्रखर वक्ता नरेंद्र बिरथरे ने अपने उद्बोधन में कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय सादा जीवन, उच्च विचार और दृढ़ संकल्प के प्रतीक थे। वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के चिंतक, निस्वार्थ राष्ट्रभक्त और दूरदर्शी व्यक्तित्व थे। उन्होंने अंत्योदय की अवधारणा के माध्यम से भारतीय संस्कृति पर आधारित आत्मनिर्भर भारत का सपना देखा था, जिसे आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साकार करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

भाजपा जिलाध्यक्ष जसवंत जाटव ने पंडित उपाध्याय को प्रखर राष्ट्रवादी, स्वदेशी विचारक और एकात्म मानववाद का प्रणेता बताते हुए कहा कि उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा को समर्पित रहा। वे शांति, सद्भाव, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और अनुशासनप्रिय राजनीति के समर्थक थे। उन्होंने कहा कि उनके बताए मार्ग पर चलना और उनके विचारों को आत्मसात करना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कार्यक्रम की शुरुआत मंचासीन अतिथियों द्वारा महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। संचालन महामंत्री के.पी. परमार ने किया, जबकि जिला मीडिया प्रभारी मुकेश जैन ने कार्यक्रम की जानकारी दी। इस अवसर पर भाजपा के आजीवन सहयोग समर्पण निधि संकलन अभियान को लेकर भी चर्चा हुई। जिलाध्यक्ष जसवंत जाटव ने सभी मंडल अध्यक्षों को लक्ष्य सौंपते हुए संगठनात्मक दिशा-निर्देश दिए। कार्यक्रम के अंत में जिला महामंत्री लवलेश जैन ने आभार प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष जसवंत जाटव, पूर्व विधायक नरेंद्र बिरथरे, जिला महामंत्री योगेंद्र रघुवंशी एवं लवलेश जैन (चीनू), महामंत्री के.पी. परमार, नवाब सिंह कुशवाहा, हेमलता रावत, आजीवन सहयोग निधि सह-प्रभारी दिलीप मुदगल, अमित यादव, मुकेश सिंह चौहान, जिला मंत्री नीरज सिंह तोमर, लक्ष्मी जाटव, कार्यालय मंत्री सोनू राजावत, मंडल अध्यक्ष कृष्णा कुशवाहा, गिर्राज शर्मा, विपुल जैमिनी, कपिल भार्गव, संजय सांखला, रघुवीर रावत, प्रशांत राठौर, अभिषेक गुप्ता सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पांच सौ नए तालाब बनाएगी केंद्र सरकार : धैर्यवर्धन

शिवपुरी

भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा द्वारा बजट चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट पर व्याख्यान देते हुए भाजपा के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता धैर्यवर्धन शर्मा ने कहा कि वैश्विक व्यापारिक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने समावेशी एवं जनकल्याणकारी बजट प्रस्तुत किया है।

उन्होंने कहा कि बजट में सेमीकंडक्टर निर्माण, रेयर अर्थ की खोज, एआई टेक्नोलॉजी तथा विश्वस्तरीय आधारभूत संरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) को प्राथमिकता दी गई है। मोर्चा के जिलाध्यक्ष संजय कुशवाह ने स्वागत भाषण दिया तथा कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री पंकज लोधी ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत महापुरुषों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके पश्चात जिलाध्यक्ष संजय कुशवाह, महामंत्री पंकज लोधी, जिला उपाध्यक्ष रामअवतार गोस्वामी, सोनू राठौर, सुनील धाकड़, मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र सिंह रावत, मंडल अध्यक्ष आकाश राठौर, यश योगी व सुनील राठौर आदि ने मुख्य अतिथि धैर्यवर्धन शर्मा का माल्यार्पण कर स्वागत किया। धैर्यवर्धन शर्मा ने बताया कि देश में सात नए हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर, तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, बीस नए जलमार्ग तथा पांच सौ नए बड़े तालाब बनाने की घोषणा की गई है। साथ ही रक्षा बजट में 15 प्रतिशत वृद्धि और लघु व मध्यम उद्योगों के लिए 10 हजार करोड़ रुपये का ग्रोथ फंड बनाने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट में कैंसर, डायबिटीज सहित गंभीर रोगों की 36 दवाओं, ईवी बैटरियों, बायोमिक्स सीएनजी और कपड़ों को सस्ता किया गया है। आयकर रिटर्न फाइलिंग प्रक्रिया को और सरल बनाया गया है तथा संशोधित रिटर्न दाखिल करने की समय-सीमा एक वर्ष तक बढ़ा दी गई है। अब टैक्स चोरी या त्रुटि के मामलों में जेल की बजाय अर्थदंड का प्रावधान कर मुकदमों को कम करने का प्रयास किया गया है।

जनपद पंचायत के मंदिर में की जा रही है प्राण प्रतिष्ठा

सबलगढ़। जनपद पंचायत कार्यालय परिसर में निर्माणाधीन मंशापूर्ण बाल हनुमान मंदिर में तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम चल रहा है । यह कार्यक्रम 10 फरवरी से प्रारंभ होकर 12 फरवरी तक जारी रहा , जिसमें 10 फरवरी सोमवार को अन्नपूर्णा देवी मंदिर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई थी जो एम एस रोड से निकलते हुए जनपद पंचायत के बाल हनुमान मंदिर में पहुंची। इस यात्रा को भव्य धार्मिक रोचक बनाते हुए बैंड बाजों एवं डीजे पर भजन कीर्तन के साथ कलश यात्रा में महिलाओं एवं बच्चे शामिल थे। मंगलवार को बाल हनुमान का आचार्य के द्वारा धार्मिक आयोजन कराया गया। जनपद के कार्यालय से लेकर जनपद पंचायत की 65 ग्राम पंचायत में विकास की गति को बढ़ाने के लिए एवं सुख शांति के लिए हवन में आहुतियां दी गई तथा 12 फरवरी को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया । अधिकारी , कर्मचारी एवं ग्राम पंचायत के सहयोग से इस मंदिर का भव्य जीर्णोद्धार किया गया है । जिसमें जनपद की आयोजन समिति का काफी सहयोग रहा ।

8 सहरिया परिवारों को भैंस प्रदान की गई

मुरैना। जिलाधीश लोकेश कुमार जांगिड़ के निर्देशानुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत कमलेश कुमार भार्गव की अध्यक्षता में बुधवार को पहाड़गढ़ मुख्यालय पर मुख्यमंत्री दुधारू पशु प्रदाय कार्यक्रम के अंतर्गत सहरिया समुदाय के हितग्राहियों को भैंस वितरित की गई। योजना के तहत प्रत्येक हितग्राही से 12 हजार 550 रुपये का अंशदान लिया गया, जो एक भैंस की कुल लागत 1 लाख 25 हजार 500 रुपये का 10 प्रतिशत है। इस इकाई में 450 किलोग्राम पशु आहार (दाना) तथा 1 हजार रुपये की औषधि सहायता भी प्रदान की जाएगी।

कार्यक्रम में समाजसेवी कन्हैयालाल गुर्जर, जिला कृषि स्थायी समिति एवं जनपद पंचायत पहाड़गढ़ की अध्यक्ष श्रीमती अंगूरी लाल सिंह धाकड़, जनपद उपाध्यक्ष मयंक त्यागी, भानू सिंह सिकरवार, उप संचालक पशुपालन डॉ. बी.के. शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर कुल 8 हितग्राहियों को भैंस प्रदान की गई। इनमें श्रीमती संजदी, श्रीमती लीला देवी, श्रीमती कुमारी बाई, बारेलाल, सिरनाम, बाईसराम, पप्पू एवं श्यामलाल शामिल हैं, जो ग्राम खड़रिया, मरा एवं खोरी के निवासी हैं।

बोर्ड परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

मुरैना। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा जिले में हायर सेकेंडरी एवं हाईस्कूल की परीक्षाएँ 10 फरवरी से 07 मार्च तक आयोजित की जा रही हैं। बोर्ड परीक्षाओं के सुचारु संचालन हेतु मुरैना जिले में विकासखंडवार कुल 76 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं।

जिलाधीश एवं जिला दंडाधिकारी के संज्ञान में यह तथ्य आया है कि परीक्षा केंद्रों के आसपास ग्रामवासी, परीक्षार्थियों के अभिभावक, परिजन एवं सहयोगी बड़ी संख्या में एकत्रित हो जाते हैं। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में परीक्षा केंद्रों के चारों ओर जमावड़ा लगने से असामाजिक गतिविधियों की आशंका बनी रहती है, जैसे परीक्षा केंद्र की बाउंड्री पर चढ़ना अथवा खिड़कियों से पर्चियाँ फेंकना आदि। ऐसी गतिविधियों से परीक्षार्थियों की एकाग्रता प्रभावित होती है तथा ड्यूटी पर तैनात लोक सेवकों के समक्ष अवांछनीय एवं भय उत्पन्न करने वाली परिस्थितियाँ निर्मित होती हैं। इसके अतिरिक्त परीक्षा केंद्रों के आसपास वाहनों के अव्यवस्थित खड़े किए जाने से यातायात बाधित होता है और सड़क दुर्घटनाओं की संभावना भी बढ़ जाती है।

उक्त परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए परीक्षा केंद्रों पर शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से परीक्षा केंद्र की बाउंड्री वॉल से 200 मीटर की परिधि तक भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के प्रावधान लागू किया जाना आवश्यक पाया गया। इसी क्रम में जिला दंडाधिकारी श्री जांगिड ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163(3) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए माध्यमिक शिक्षा मंडल, स्कूल शिक्षा विभाग, जिला मुरैना अंतर्गत सभी 76 परीक्षा केंद्रों के परिसरों एवं उनसे 200 मीटर की अतिरिक्त परिधि को प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया है।

आदेश की प्रभावशीलता अवधि के दौरान परीक्षा केंद्रों में अनाधिकृत व्यक्तियों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा तथा पाँच या अधिक व्यक्तियों का समूह बनाकर एकत्रित होना निषिद्ध रहेगा। साथ ही प्रतिबंधित क्षेत्र में कोई भी व्यक्ति आग्नेयास्त्र अथवा अन्य घातक हथियार लेकर न तो चलेगा और न ही उनका प्रदर्शन करेगा।यह आदेश सर्वसाधारण को संबोधित है। वर्तमान परिस्थितियों में सभी संबंधित व्यक्तियों को व्यक्तिगत रूप से सूचना देकर सुनवाई किया जाना संभव न होने के कारण भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163(2) के अंतर्गत यह आदेश एकपक्षीय रूप से पारित किया गया है। यदि कोई व्यक्ति इस आदेश से प्रभावित है तो वह कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकता है। यह आदेश कानून-व्यवस्था एवं बोर्ड परीक्षा व्यवस्था में संलग्न कार्यपालिक दंडाधिकारियों, पुलिस अधिकारियों एवं अन्य लोक सेवकों पर लागू नहीं होगा। उक्त निषेधाज्ञा 10 फरवरी 2026 से 07 मार्च 2026 तक प्रतिदिन प्रातः 08 बजे से परीक्षा समाप्ति समय तक प्रभावशील रहेगी। आदेश की सूचना संबंधित क्षेत्रों में सर्वसाधारण को दी जाएगी तथा इसकी प्रति इस कार्यालय के सूचना पटल, अनुविभागीय दंडाधिकारी/तहसील कार्यालय, शिक्षा विभाग, नगर निगम एवं कोतवाली पुलिस थाने के सूचना पटल पर चस्पा की जाएगी। साथ ही शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर भी प्रदर्शित की जाएगी। यह आदेश दिनांक 10 फरवरी 2026 को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163(1) सहपठित धारा 163(2) के अंतर्गत पारित किया गया है।

दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर हुआ आयोजन

सबलगढ़। भारतीय जनता पार्टी नगर मण्डल सबलगढ़ द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि के अवसर पर भाजपा कार्यालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर मण्डल अध्यक्ष बसंत बंसल ने की।

इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके एकात्म मानववाद के सिद्धांत, राष्ट्रनिष्ठ विचारधारा एवं संगठन के प्रति समर्पित जीवन को स्मरण किया। वक्ताओं ने कहा कि उनका जीवन सादगी, सेवा और समर्पण का अद्वितीय उदाहरण है, जो आज भी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

कार्यक्रम में श्रीमती सुमित्रा भीमसेन रावत, अखिलेश सिंह जादौन, दर्शन सोनी, आरडी सिंह जादौन, मिलिन्द वर्मा , श्रीमती रुबी बंटी धानुक, पुरुषोत्तम वर्मा, नितिन सोनी, जयवेन्द्र सिंह जादौन , धरम सिंह जादौन, राजपाल धाकड़, अरविंद मंगल, नागेन्द्र सिंह जादौन श्यामू सोनी सहित पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने पुष्पांजलि अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

डिजिटल क्रांति पर साइबर प्रहार गंभीर चुनौती

ललित गर्ग

डिजिटल युग ने भारत की अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन को अभूतपूर्व गति प्रदान की है। मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, ई-कॉमर्स और ऑनलाइन सेवाओं ने लेन-देन को सरल, त्वरित और पारदर्शी बनाया है। आज एक सामान्य नागरिक भी कुछ सेकंड में देश के किसी भी कोने में धन भेज सकता है, बिल जमा कर सकता है या निवेश कर सकता है। यही डिजिटल क्रांति 'नए भारत' और 'विकसित भारत' की आधारशिला मानी जा रही है। किंतु इसी क्रांति के साथ एक गहरी विडंबना भी उभरकर सामने आई है-डिजिटल धोखाधड़ी और साइबर लूट की भयावह बढ़ोतरी। हजारों करोड़ रुपये की ऑनलाइन ठगी की घटनाएँ न केवल आमजन को आर्थिक रूप से आहत कर रही हैं, बल्कि देश की आर्थिक सुरक्षा और वित्तीय प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगा रही हैं।

डिजिटल व्यवस्था की मूल आत्मा 'विश्वास' है। जब कोई व्यक्ति मोबाइल स्क्रीन पर उभरे एक क्यूआर कोड को स्कैन करता है या किसी लिंक पर क्लिक करता है, तो वह केवल तकनीक पर ही नहीं, बल्कि उस संपूर्ण तंत्र पर भरोसा करता है जो उसे सुरक्षित लेन-देन का आश्वासन देता है। किंतु जब यही विश्वास ठगी, फर्जी कॉल, फिशिंग, निवेश घोटालों और पहचान चोरी के कारण टूटने लगता है, तब डिजिटल विकास की पूरी अवधारणा कमजोर पड़ने लगती है। यदि बैंकिंग व्यवस्था में नकली नोटों की भरमार हो जाए तो मुद्रा पर विश्वास डगमगा जाता है, उसी प्रकार यदि डिजिटल लेन-देन में ठगी सामान्य अनुभव बन जाए, तो नागरिक डिजिटल माध्यमों से दूरी बनाने लगते हैं। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत हानि का प्रश्न नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक ढांचे के लिए भी खतरे की घंटी है। परंपरागत अपराधों और डिजिटल अपराधों की तुलना करें तो दोनों के स्वरूप और प्रभाव में महत्वपूर्ण अंतर दिखाई देता है। पहले चोरी या डकैती किसी सीमित भौगोलिक क्षेत्र तक सीमित होती थी, अपराधी की पहचान अपेक्षाकृत स्पष्ट होती थी और जांच प्रक्रिया स्थानीय स्तर पर संचालित होती थी। डिजिटल अपराधों में अपराधी अदृश्य है, वह किसी दूसरे राज्य या देश में बैठकर वारदात कर सकता है, और कुछ मिनटों में सैकड़ों लोगों को निशाना बना सकता है। पारंपरिक अपराध में जोखिम अपराधी के लिए अधिक था, डिजिटल अपराध में जोखिम कम और लाभ अधिक है। यही असंतुलन इसे अत्यंत खतरनाक बनाता है।

एक अन्य तुलनात्मक पक्ष यह है कि डिजिटल अपराधों में पीड़ित की मनोवैज्ञानिक स्थिति भी अलग होती है। ठगी का शिकार व्यक्ति स्वयं को अपराधी के सामने असहाय पाता है। पुलिस और साइबर क्राइम कार्यालयों के चक्कर लगाने के बाद भी जब उसे तकनीकी कारणों का हवाला देकर लौटा दिया जाता है, तो उसके भीतर व्यवस्था के प्रति गहरा अविश्वास जन्म लेता है। कई मामलों में यह देखा गया है कि शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया जटिल है, समुचित मार्गदर्शन नहीं मिलता, और समय पर कार्रवाई न होने से धन की रिकवरी असंभव हो जाती है। इससे यह धारणा बनती है कि डिजिटल अपराध का कोई वास्तविक दंड नहीं है। सरकार और न्यायपालिका ने समय-समय पर इस समस्या की गंभीरता को स्वीकार किया है। शीर्ष अदालत द्वारा ऑनलाइन धोखाधड़ी को आर्थिक सुरक्षा से जोड़कर देखना इस बात का संकेत है कि यह केवल व्यक्तिगत अपराध नहीं, बल्कि संगठित आर्थिक आक्रमण भी हो सकता है। किंतु नीति-निर्माण और क्रियान्वयन के बीच की दूरी अभी भी बनी हुई है। अनेक प्लेटफार्म और हेल्पलाइन स्थापित किए गए हैं, परंतु उनकी कार्यप्रणाली में त्वरित प्रतिक्रिया, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व की कमी स्पष्ट दिखती है। यदि शिकायत के बाद प्रारंभिक 'गोल्डन ऑवर' में ही बैंक खाते फ्रीज करने और ट्रांजैक्शन ट्रैक करने की प्रभावी व्यवस्था न हो, तो बाद की प्रक्रिया औपचारिकता बनकर रह जाती है।

वित्तीय प्रणाली की दृष्टि से देखें तो डिजिटल धोखाधड़ी का बढ़ना निवेश, उपभोग और बैंकिंग व्यवहार पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। यदि आमजन को यह आशंका सताने लगे कि ऑनलाइन निवेश योजनाएँ या भुगतान सुरक्षित नहीं हैं, तो वह नकद लेन-देन की ओर लौट सकता है। यह प्रवृत्ति सरकार की कैशलेस अर्थव्यवस्था की नीति को कमजोर करेगी। इसके अतिरिक्त, विदेशी निवेशकों के लिए भी यह संकेत नकारात्मक हो सकता है कि साइबर सुरक्षा का ढांचा पर्याप्त सुदृढ़ नहीं है। अतः यह केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि आर्थिक नीति का भी केंद्रीय प्रश्न है। समाधान के स्तर पर तुलनात्मक रूप से देखें तो विकसित देशों ने साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा के दायरे में रखा है। वहाँ विशेषीकृत एजेंसियाँ, उच्च प्रशिक्षित तकनीकी विशेषज्ञ, त्वरित डेटा साझा करने की प्रणाली और सख्त दंडात्मक प्रावधान हैं। भारत में भी साइबर क्राइम ब्यूरो और डिजिटल सुरक्षा तंत्र मौजूद हैं, परंतु उनकी क्षमता, संसाधन और प्रशिक्षण को और अधिक सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता है। स्थानीय पुलिस बल को केवल पारंपरिक अपराधों की नहीं, बल्कि डिजिटल फॉरेंसिक, ब्लॉकचेन ट्रैकिंग और डेटा विश्लेषण की भी विशेषज्ञता दी जानी चाहिए। जब तक जांच एजेंसियाँ तकनीकी रूप से अपराधियों से एक कदम आगे नहीं होंगी, तब तक रोकथाम कठिन रहेगी।

एक महत्वपूर्ण पक्ष नागरिक जागरूकता का भी है। तकनीक जितनी उन्नत होती है, अपराधी भी उतने ही नए तरीके अपनाते हैं। अतः केवल सरकारी तंत्र पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। विद्यालयों, महाविद्यालयों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से डिजिटल साक्षरता अभियान चलाना आवश्यक है, ताकि लोग संदिग्ध लिंक, कॉल और निवेश प्रस्तावों से सावधान रहें। किंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि जागरूकता का दायित्व पीड़ित पर डालकर व्यवस्था अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकती। सुरक्षा का मूल दायित्व तंत्र का है, नागरिक का नहीं। भ्रष्टाचार और लापरवाही भी इस समस्या को जटिल बनाते हैं। यदि बैंक या भुगतान प्लेटफार्म समय पर कार्रवाई नहीं करते, या आंतरिक मिलीभगत से फर्जी खाते संचालित होते हैं, तो यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि संस्थागत विफलता है। इसलिए पारदर्शी ऑडिट प्रणाली, जवाबदेही और कठोर दंड अनिवार्य हैं। डिजिटल प्लेटफार्मों की केवाईसी प्रक्रिया को अधिक कठोर और वास्तविक बनाना होगा, ताकि फर्जी पहचान के माध्यम से खाते खोलना कठिन हो।

अंततः डिजिटल क्रांति का उद्देश्य सुविधा, पारदर्शिता और समृद्धि है। यदि यही क्रांति भय, असुरक्षा और अविश्वास का कारण बनने लगे, तो उसका नैतिक औचित्य कमजोर पड़ जाएगा। भारत जैसे विशाल देश में डिजिटल परिवर्तन को रोकना संभव नहीं, और न ही यह वांछनीय है। किंतु इसे सुरक्षित और विश्वसनीय बनाना अनिवार्य है। सरकार को नीति, तकनीक और प्रशासन-तीनों स्तरों पर समन्वित रणनीति अपनानी होगी। साइबर अपराध के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई, पीड़ितों को समयबद्ध राहत, जांच एजेंसियों का सशक्तीकरण और वित्तीय संस्थानों की जवाबदेही-ये सब मिलकर ही धोखाधड़ी मुक्त डिजिटल परिवेश का निर्माण कर सकते हैं। डिजिटल भारत की सफलता केवल ऐप्स और आंकड़ों से नहीं, बल्कि उस विश्वास से मापी जाएगी जो नागरिक अपने मोबाइल स्क्रीन पर उभरते हर ट्रांजैक्शन संदेश के साथ महसूस करता है। यदि यह विश्वास सुरक्षित रहा, तो डिजिटल क्रांति राष्ट्र को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगीय यदि यह टूट गया, तो समृद्धि का सपना भी अधूरा रह जाएगा। अतः समय की मांग है कि डिजिटल धोखाधड़ी को एक राष्ट्रीय चुनौती मानकर उसके समाधान की दिशा में ठोस, निर्णायक और पारदर्शी कदम उठाए जाएँ, ताकि विकसित भारत की आधारशिला मजबूत और अडिग रह सके।

संघ प्रमुख की तरह मोदी क्यों दूर नहीं करते उम्र और पद के संशय को?

प्रवीण दुबे

भारतीय जनता पार्टी के जन्मदाता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख डॉ मोहन भागवत द्वारा पिछले एक वर्ष के दौरान कम से कम पांच मौकों पर 75 की उम्र पूरी होने अथवा इसी तारतम्य में दायित्व छोड़ने की बात अब खासा चर्चा का विषय बन गया है। जुलाई 2025 में उन्होंने कहा था, 'जब आपको 75 साल पूरे होने पर शॉल ओढ़ाई जाती है, तो समझिए कि दूसरों को मौका देने का समय आ गया है। आपको किनारे होना चाहिए।' इस बार रविवार को मुंबई में उन्होंने कहा कि संघ ने उनसे उनकी उम्र के बावजूद काम जारी रखने को कहा है, लेकिन पद छोड़ने को कहा जाएगा तो वह तुरंत छोड़ देंगे। अब सवाल यही है कि मोहन भागवत बार-बार रिटायरमेंट की बात क्यों कर रहे हैं? क्या यह प्रधानमंत्री की ओर एक वैचारिक संकेत है कि अब रिटायरमेंट पर गंभीरता से सोचने का वक्त आ गया है? सीधे तौर पर इसे प्रधानमंत्री पर निशाना कहना ठीक नहीं लगता और अपने परिवार संगठनों पर इस तरह से सार्वजनिक मंचों से कोई बात कहना संघ की परम्परा भी नहीं है। दूसरा यह कि खुद डॉ मोहन भागवत 75 के हो चुके हैं अतः पद छोड़ने या रिटायरमेंट की बात उनपर भी लागू होती है। सवाल वही कि आखिर संघ प्रमुख क्यों 75 की बात बार बार कह रहे हैं? साफ है कि संघ प्रमुख एक तरफ भारतीय परम्परा को बताना चाहते हैं तो दूसरी ओर संगठन सर्वोपरि है उससे बड़ा कुछ नहीं यह भी समझाना चाहते हैं। पहली बात अर्थात भारतीय परम्परा की स्थापना को केंद्र में रखते हुए देखें तो जुलाई 2025 में उन्होंने कहा था, 'जब आपको 75 साल पूरे होने पर शॉल ओढ़ाई जाती है, तो समझिए कि दूसरों को मौका देने का समय आ गया है। आपको किनारे होना चाहिए।'

दूसरी बात अर्थात संगठन सर्वोपरि को केंद्र में रखते हुए देखें तो इस बार रविवार को मुंबई में उन्होंने खुद की उम्र और पद को लेकर कहा कि संघ ने उनसे उनकी उम्र के बावजूद काम जारी रखने को कहा है, लेकिन पद छोड़ने को कहा जाएगा तो वह तुरंत छोड़ देंगे।

साफ है यहां उन्होंने.75 की उम्र पूर्ण करने के बावजूद संगठन की इच्छा पर खुद के सरसंघचालक पद पर बने रहने के असमंजस को साफ किया।

इस दृष्टि से प्रधानमंत्री मोदी की उम्र 75 होने के बावजूद उनके पद छोड़ने अथवा रिटायरमेंट की बात की जाए तो यह सवाल महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या मोदी संगठन की इच्छा से पद पर हैं ?

इस सवाल का जवाब तो अब सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत की तरह से प्रधानमंत्री मोदी को भी देश की जनता को बताना चाहिए।भले रिटायरमेंट का कोई औपचारिक बंधन न हो, लेकिन भारतीय परम्पराओं के अनुसार वैचारिक अपेक्षा तो मौजूद है ही। देश जानना चाहता है प्रधानमंत्री मोदी ने जो निर्णय आडवाणी, जोशी जैसे नेताओं को लेकर लिए उनके प्रति वे खुद अपने लिए कितनी साफगोई रखते हैं।इस बारे में जितना जल्दी वे संशय दूर करेंगे उतना ही भाजपा के लिए बेहतर होगा।

वरिष्ठ पत्रकार, ग्वालियर

हर इंसान बराबर है

इतिहास के पन्नों को उलट करके देखेंगे तो पाएंगे कि आज जितना ऊंच-नीच एवं अमीर-गरीब का भेद-भाव है वह वैदिक काल के आरंभ में नहीं था। उस समय सामाजिक व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए कर्म के अनुसार वर्ग विभेद किया गया। लेकिन बाद में व्यवस्थाओं में जटिलता आती गयी और भेद-भाव बढ़ता गया। लेकिन यह भेद-भाव ऊपरी स्तर पर है। मूल में कहीं भेद-भाव नहीं है। मूल ईश्वर है और ऊपरी दुनिया

वह है जहां हम मनुष्य और जीव-जन्तु विचरण करते हैं। भगवान की नजर में सभी एक समान हैं। ईश्वर की दृष्टि में न तो जात-पात है और न लिंग भेद। श्री रामानंदाचार्य ने कहा है जात-पात पूछे न कोई। हरि को भजे सो हरि का होई।। भगवान कभी किसी के साथ किसी आधार पर भेद-भाव नहीं करते हैं। केवट ने भगवान से प्रेम किया तो भगवान बिना किसी भेद-भाव के केवट की नैया में बैठे और केवट की जीवन नैया को पार लगा दिया। श्री राम के चरण रज को पीकर केवट परम पद पाने में सफल हुआ। भगवान की दृष्टि में सभी बराबर हैं इसका उदाहरण भक्त सबरी के जीवन की एक घटना है। सबरी भील जाति की एक महिला थी। राम की भक्ति इनके मन में ऐसी बसी की राम में ही खुद को अर्पित कर दिया। एक बार सबरी मार्ग में झाड़ू लगा रही थी उस समय साधुओं का एक समूह मार्ग से गुजरा। अनजाने में सबरी का स्पर्श साधुओं से हो गया। साधु इससे नाराज हुए कि एक भीलनी उससे स्पर्श कर गयी। भगवान को यह बात अच्छी नहीं लगी। साधुओं को जात-पात के भेद-भाव की नासमझी को दूर करने के लिए भगवान ने एक लीला की। साधुगण जिस सरोवर में स्नान करते थे। उस सरोवर में जैसे ही साधुओं ने प्रवेश किया सरोवर का जल दूषित हो गया। सरोवर के जल से बदबू आने लगी। साधुओं ने सरोवर के जल को शुद्ध करने के लिए कई हवन और यज्ञ किया लेकिन कोई परिणाम नहीं निकला। एक दिन सीता की खोज करते हुए भगवान राम जब सबरी की कुटिया में पधारे तब साधुओं को अपने ऊपर काफी ग्लानि हुई। उन्हें समझ में आ गया कि सबरी की भक्ति उनकी भक्ति भावना से बढ़कर है।

काला मंगलवार : भगदड़ से मौतों का जिम्मेवार कौन एक यक्ष प्रश्न ?

नरेंद्र भारती

मध्यप्रदेश के ग्वालियर जिला के डबरा कस्बे में 10 फरवरी मंगलवार को एक धार्मिक आयोजन के दौरान मची भगदड़ में एक महिला की मौत हो गई और एक बच्ची समेत सात लोग घायल हो गए नवग्रह मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर मंगवार को कलश यात्रा का आयोजन किया गया था अचानक भगदड़ मच गई और लोग बेमौत मारे गए द्यऐसे हादसे कब रुकेंगे इससे पहले भी हरिद्वार में भी लाशों के ढेर लग गए थे 27 जुलाई 2025 रविवार को हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में करंट फैलने की अफवाह फैलने से दर्जनों श्रद्धांलुओं की मौत हो गई थी और 50 के लगभग घायल हो गए थे द्य मनसा देवी मंदिर के पैदल मार्ग पर यह हादसा हुआ था द्य मंदिर से करीब सौ मीटर पहले सीढीओं पर यह भगदड़ का खौफनाक मंजर हुआ था द्ययहां करीब दस हजार लोग मौजूद थे भीड़ बहुत थी द्य29 जून 2025 को पुरी में रथ यात्रा के दौरान भगदड़ मचने से तीन लोगों की मौत हो गईं थी और काफ़ी लोग घायल हुए थे द्य 8 जनवरी 2025 को तिरुपति में भगदड़ मचने से 6 लोगों की मौत हो गईं थी और बहुत लोग घायल हो गए हैं द्य 2 जुलाई 2024 को उत्तर प्रदेश के हाथरस में एक सत्संग में भगदड़ मचने से 121 लोगों की दर्दनाक मौत हो गईं थी और सेकड़ों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे द्य मई माह में गोवा के शिरगांव में यात्रा के दौरान बिजली का तार गिरने से भगदड़ मचने से 7 लोगों की मौत हो गई थी और 50 लोग घायल हो गए थे द्य भगदड़ के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं द्य कुछ माह पहले दिल्ली में भगदड़ मचने से रेलवे स्टेशन शमशानघाट बन गया था दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भीड़ में भगदड़ मचने से काफ़ी लोग मारे गए थे अब गोवा में एक बार फिर लाशों के ढेर लग गए चारों तरफ लाशें ही लाशें बिखर गई द्य रेलवे स्टेशन से यह लोग महाकुम्भ जा रहे 18 लोगों की मौत हो गई थी द्य देश में भगदड़ की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं और बेकसूर लोग बेमौत मर रहे हैं 15 फ़रवरी शनिवार देर रात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मचने से 18 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी द्य अभी कुम्भ की घटना की स्याही भी नहीं सुखी थी की दिल्ली में यह हादसा हो गया कुछ दिन पहले संगम स्थल पर हुआ था प्रयागराज में कुम्भ मेले में भगदड़ मचने से दर्जनों लोग मारे गए थे और सेकड़ों घायल हो गए थे द्य रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में मरने वालों की संख्या में वृद्धि हो सकती है द्य ऐसा हादसा इससे पहले हाथरस में सत्संग में भगदड़ मचने से 120 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी द्यकुछ वर्ष पहले विजयदशमी के दिन रावण दहन के अवसर पर बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान में देखने को मिला था जहां बिजली का तार टूटने की अफवाह से भगदड़ मचने के कारण33 लोगो की दर्दनाक मौत हो गई थी और 100 से ज्यादा घायल हो गए थे काश प्रशासन ने पिछली घटनाओं से सबक सीखा होता तो यह हादसा न होता। देश में भगदड़ मचने का यह कोई पहला हादसा नहीं है इससे पहले सैंकडों हादसे हो चुके है और हजारों लोग बेमौत मारे जा चुके है मगर यह हादसे कम नहीं हो रहे हैं। इन घटनाओं को हादसा नहीं हत्याऐं कहना गलत नहीं होगा। इस रावण दहन के अवसर पर गांधी मैदान में पांच लाख लोग आए थे लेकिन प्रशासन ने केवल एक ही द्वार खोल रखा था। कुम्भ में भगदड के कारण जिन्दा लोग पल भर में लाशों में बदल गए। देश में मंदिरों में मेले व अन्य पर्व अब आस्थास्थल न होकर मरणस्थल बनते जा रहे हैं। कुम्भ में चारों तरफ लाशों के ढेर ही नजर आ रहे थे। लोगों का सामान चारों तरफ बिखरा पडा था। भगदड़ में सैकडों महिलाएं ,बच्चे व बुर्जुग पैरों तले कुचल दिए गए , लोग बदहवाश होकर अपनों को ढूंढ रहे थे।मगर उनके अपने मौत की नीद सो चुके थे।चारों तरफ चप्पलें व जूते नजर आ रहे थे। इसे प्रशासन की लापरवाही की संज्ञा दी जाए तो कोई आतिश्योक्ति नहीं होगी। प्रशासन को पता था कि लाखों की तादाद में लोग व बच्चे आएगें तो सुरक्षा के इंतजाम क्यों नहीं किए गए। सरकार ने भले ही हादसे की न्यायिक जांच के आदेश दे दिए है मगर जो काल का गाल बन गए उसकी भरपाई कैसे होगी। अब प्रशासन मृतकों को लाखो रुपया मंआवजा दे रही है अगर पहले से ही सुरक्षा के इंतजाम किए होते तो यह हादसा रुक सकता था। मुआवजा समस्या का हल नहीं है। सरकारो द्वारा जो पैसा मुआवजे के रुप में दिया जाता है उससे व्यवस्था को सुधारने में लगाया होता तो आज यह नौबत न आती। आकडों पर नजर डाले तो आत्मा सिहर उठती है। 3 फ़रवरी 1954 को कुम्भ मेले में भगदड़ मचने से 800 लोगों की मौत हुई थी द्य 1986 में भी कुम्भ में में भगदड़ मचने से 200 लोग मारे गए थे द्य2006 में भी सिंध नदी में 50 तीर्थयात्री बह गए थे। 10फरवरी 2013 को इलाहाबाद में कुम्भ मेले 36 लोगों की मौत हुई थी और 39 लोग घायल हुए थे। 26 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले के मंधेरी मंदिर में 350 लोगों की दर्दनाक मौत हुई थी।नवंबर 2006 में उडीसा के शंदरपुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में आरती के समय भदड़ में चार लोगों की मौत हो गई थी और दर्जनो घायल हुए थे।झारखंड के देवधर के एक आश्रम में भगदड़ से 9 लोगों की मौत हो गई थी, 30 सितंबर 2008 को जोधपुर में चामुडा देवी मंदिर में 250 लोगों की मोत हुई थी।3 अगस्त 2008 को हिमाचल प्रदेरू के प्रसिध्द शक्तिपीठ नैना देवी में भगदड मचने से 162 लोग मारे गए थे तथा 300 घायल हुए थे। घटना के समय मंदिर में 20 से 25 हजार लोग मौजूद थे। मरने वालों में 104 लोग अकेले पंजाब के रहने वाले थे। 14 जनवरी 2011 को केरल के सबरीमाला मंदिर में भगदड़ में 106 श्रध्दालूओं की मौत हो गई थी और 100 से अधिक घायल हो गए थे। नंवबर 2012 में बिहार में छठ पुजा के दौरान गंगा नदी के घाट पर बना बांस का पुल टुटने से लोगों में भगदड़ मचने से 20 श्रध्दालुओं की मौत हो गई थी। बार-बार हादसे हो रहे हैं मगर सरकारें मूकदर्शक बनकर तमाशा देख रही है।प्रशासन तब जागता है जब लाशों के ढेर लग जाते हैं। प्रशासन को इन हादसों को अनदेखा नहीं करना चाहिए। इस घटना ने प्रशासन की बदइंतजामी की पोल खोल दी हैं। इस हादसे में कई अनाथ हो गए तो माताएं व बहनों का सुहाग उजड गया।ऐसे हादसे ताउम्र रोते हुए छोड़ जातें है। छोटे बच्चे दर-दर की ठोकरें खातें हैं। केन्द्र सरकार को इन हादसों पर संज्ञान लेना चाहिए तथा दोषियो के खिलाफ कारवाई करनी चाहिए और प्रत्येक मंदिरों व आस्था स्थलों में आपदा से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन समितियां गठित करनी चाहिए।

कौन संत कौन असंत? सांसत में भक्तजन

निर्मल रानी

कहने को तो बांटो और राज करो की नीति अंग्रेज़ों की बनाई हुई थी। परन्तु आज सत्ता हासिल करने के लिये या सत्ता में बने रहने के लिये यही नीति लगभग दुनियाभर के राजनीतिज्ञों द्वारा अपनाई जा रही है। ज़ाहिर है हमारा देश और यहाँ की राजनीति भी इससे अछूती नहीं है। और कहना ग़लत नहीं होगा कि बांटो और राज करो की नीति का अनुसरण भले ही मौक़ा मिलने पर सारे ही दल क्यों न करते हों परन्तु देखा यही जा रहा है कि भारतीय जनता पार्टी व इसकी सरकारों को इस मामले में कुछ ज़्यादा ही महारत हासिल है। आप देखिये कि स्वयं को मज़बूत व विपक्ष को कमज़ोर करने के लिये विपक्षी दलों ख़ासकर कांग्रेस के कितने ही नेता भाजपा ने अपने पाले में कर लिये। चाहे वह भ्रष्टाचार का आरोपी हो,आरोपी हो,अपराधी हो या भ्रष्ट हो परन्तु भाजपा में शामिल होते ही उसे मिस्टर क्लीन का प्रमाण पत्र दे दिया जाता है। ऐसे कितने ही भ्रष्ट लोग आज मंत्री सांसद व विधायक यहाँ तक कि मुख्यमंत्री तक बने हुए हैं।

इसी तरह जब भारत में इतिहास का सबसे प्रमुख किसान आंदोलन 9 अगस्त 2020 से 11 दिसंबर 2021 तक चला था जिसमें केंद्र सरकार के तीन विवादित कृषि क़ानूनों के विरोध में देश के किसान दिल्ली बॉर्डर पर बैठे थे। उस समय भी भाजपा सरकार ने तरह तरह के हथकंडे अपनाये थे। उनमें एक हथकंडा किसान आंदोलन में शामिल संयुक्त किसान मोर्चा में शामिलकिसान संगठनों में फूट डालना भी शामिल था। चूँकि इस आंदोलन में पंजाब व हरियाणा के सिख बड़ी संख्या में शामिल थे इसलिये भाजपा सरकार के कई मंत्रियों ने इसे ख़ालिस्तानी समर्थक आंदोलन बताने की भी कोशिश की। परन्तु किसानों की एकजुटता के आगे यह सरकारी एजेंडा फुस्स हो गया। याद कीजिये जब कभी सत्ता के ख़िलाफ़ देश की विशिष्ट हस्तियां या पूर्व जज अथवा पूर्व आई ए एस एकजुट हुये या फ़िल्म जगत के लोग,लेखक,साहित्यकार आदि ने सत्ता की नाकामियां उजागर करने के लिये आवाज़ें उठाएँ उसी वक़्त सत्ता ने भी इन्हीं वर्ग विशेष से सम्बद्ध अपने समर्थकों को खड़ा कर दिया। पिछली बार तो सत्ता को अपनी इन कोशिशों में उस समय शर्मिंदा भी होना पड़ा जबकि सत्ता के समर्थन में खड़े होने वाले कई तथाकथित विशिष्ट लोगों के र्भ्ष्ट व काले कारनामों का रिकार्ड भी विपक्ष ने ढूँढकर सार्वजनिक कर दिया।

बहरहाल अफ़सोस यह है कि भाजपा की बांटो और राज करो की नीति की ज़द में अब साधु संत भी आ चुके हैं। जो भी संत भाजपा की किसी भी नीति की आलोचना करते हैं या एक संत के नाते शास्त्र सम्मत बातें करते हैं या कुछ ऐसी व्यवस्था देते हैं जो कि राजनैतिक होने के बजाये शुद्ध धार्मिक हो, उसे भाजपा सहन नहीं कर पाती। देश में अनेकानेक ऐसे योग्य संत हैं जो धर्म को राजनीति से अलग रखना चाहते हैं वह भाजपा की सत्ता या उसके प्रभाव में क़तई नहीं आते। परन्तु भाजपा की तो राजनीति ही धर्म के नाम पर चलती है। इसलिये भाजपा सत्ता समर्थक संतों को तरजीह देती है और उन्हें बढ़ावा भी देती है। उदाहरण के तौर पर सोशल मीडिया की कृपा से इनदिनों बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर और कथावाचक पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री का नाम चर्चा में है। दूसरों का भविष्य बताने वाले इस नवोदित संत ने कुछ वर्ष पूर्व ही सोशल मीडिया द्वारा अवतार लिया है। इन्हें लोग बाबा बागेश्वर या बागेश्वर धाम सरकार के नाम से भी जानते हैं। वे मध्य प्रदेश के छतरपुर ज़िले के गढ़ा गांव में स्थित बागेश्वर धाम के प्रमुख हैं। शंकराचार्य स्तर के कई संत धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री की ज्योतिष विद्या और उनके पर्ची निकालने को ढोंग व शास्त्र विरोधी बता चुके हैं। परन्तु चूँकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके हिन्दू राष्ट्र निर्माण मिशन के समर्थक हैं तथा उन्हें प्रधानमंत्री का संरक्षण हासिल है लिहाज़ा उनकी गिनती सत्ता के दुलारे संतों में की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री की निकटता का अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि नरेंद्र मोदी ने 23 फ़रवरी 2025 को बागेश्वर धाम का दौरा किया। यहाँ धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने बड़ी ही चतुराई से मोदी के गले में अपना नाम लिखा हुआ पटका तक डाल दिया। यहाँ मोदी ने एक कैंसर अस्पताल का शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री से इस घनिष्ट निकटता के बाद अब धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री को किसी वरिष्ठ संत या शंकराचार्य से किसी तरह का प्रमाण पत्र लेने की ज़रुरत ही क्या?

इसी तरह सत्ता के एक और प्रिय संत हैं स्वामी रामभद्राचार्य जी। भारत सरकार ने उन्हें 2015 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया है। यह भारत का दूसरा सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है। इसके बाद उन्हें साहित्य के क्षेत्र में 2023 के लिए सर्वोच्च सम्मान ज्ञानपीठ पुरस्कार भी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 16 मई 2025 को प्रदान किया गया । ज्ञानपीठ भारत का सर्वोच्च साहित्यिक पुरस्कार है। देश के सम्मानित संतों में गिनती होने के बावजूद स्वामी रामभद्राचार्य जी अपने बयानों के कारण कभी कभी विवादों में भी घिर जाते हैं। उदाहरण के तौर पर रामभद्राचार्य स्वयं को श्रेष्ठतम ब्राह्मण बता चुके हैं क्योंकि उनके अनुसार वे वशिष्ठ वंशीय सरयू पारण ब्राह्मण हैं जिनका परिवार परंपरागत रूप से विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा देता रहा है। जबकि उन्होंने चौबे,उपाध्याय, त्रिगुणायत, दीक्षित, पाठक उपनामों के ब्राह्मणों को नीच या अधम कहा, क्योंकि वे विद्यार्थियों से शुल्क लेकर पढ़ाते हैं, जिसे वे गोमांस के समान पापपूर्ण मानते हैं। रामभद्राचार्य जी के अनुसार ऐसे उच्च कुल ब्राह्मण अपनी बेटियां अधम ब्राह्मणों को नहीं देते। रामभद्राचार्य जी के इस बयान से ब्राह्मण समाज में आक्रोश फैल गया था। वे अपने ब्राह्मण होने पर गर्व जताते हुए कहते हैं कि पहले वे ब्राह्मण हैं, फिर सन्यासी और जगद्गुरु। रामभद्राचार्य जी के कई बयानों को दलित विरोधी भी माना गया है। ख़ासकर उनके द्वारा की गयी आरक्षण, अंबेडकर और जातिगत टिप्पणियों को लेकर। वे मेरठ में अपनी एक कथा में अंबेडकर को संस्कृत न जानने वाला तथा मनुस्मृति को पहला संविधान भी बता चुके हैं। वे यह भी कह चुके हैं कि जो राम को नहीं भजता वह चमार है। उनके इस तरह के बयानों को उनकी जातिवादी सोच के नज़रिये से देखा गया।

परन्तु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी ने तो रामभद्राचार्य जी को विकलांग बताकर उनके संन्यासी होने के अधिकार को ही चुनौती दे डाली है? शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी ने कहा कि नारद परिव्राजक उपनिषद और संन्यास उपनिषद जैसे धर्म शास्त्रों के अनुसार कोई भी शारीरिक रूप से अक्षम, जैसे नेत्रहीन अर्थात विकलांग व्यक्ति संन्यास नहीं ले सकता। वे रामभद्राचार्य को शास्त्र-विरुद्ध बताते हुए ढोंगी और संन्यास का अधिकार न होने वाला व्यक्ति कहते हैं। उनका तर्क है कि विकलांग व्यक्ति संन्यासी नहीं हो सकता, इसलिए रामभद्राचार्य (जो जन्म से नेत्रहीन हैं) खुद को जगद्गुरु या संन्यासी कहकर घूम रहे हैं, जो शास्त्र-विरुद्ध है। अब भक्तों को कैसे पता चले कि अविमुक्तेश्वरानंद जी ठीक कह रहे हैं या रामभद्राचार्य जी? उधर रामभद्राचार्य जी भी अविमुक्तेश्वरानंद जी को शंकराचार्य मानने से इंकार करते हैं। ज़ाहिर है इन हालत में भक्तजन इस बात को लेकर सांसत में हैं कि कौन संत है और कौन असंत?

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, फाल्गुन कृष्ण पक्ष, शिशिर ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोद्रय पश्चिमे तिथि एकादशी, शुक्रवार, मूल नक्षत्रे, वल योगे, वालव करणे, धनु की चंद्रमा, भद्रा 12/14 विजया एकादशी व्रत, कुंभे रवि 4/38 मूल समाप्त दिन 3/23, लघु वृक्षारोपण मुर्हूत तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक उद्योगपति, जिद्दी-हठी, साहसी तथा शिक्षा, शिक्षाविद्, संस्कृत विद्या धारण करने वाला, धनी होगा।

मेष राशि :- बेचैनी, उद्विघ्नता से बचिये, सोचे कार्य समय पर पूर्ण होंगे, समय स्थिति का ध्यान अवश्य रखें।

वृष राशि :- सफलता के साधन जुटायें, व्यवसायिक क्षमता में वृद्धि अवश्य होगी, कार्य पर ध्यान दें।

मिथुन राशि :- चिन्तायें कम होंगी, सफलता के साधन जुटायें, व्यवसायिक क्षमता में वृद्धि होगी।

कर्क राशि :- धन का व्यर्थ व्यय, समय व शक्ति नष्ट होगी तथा कार्य विघटन अवश्य होगा।

सिंह राशि :- भोग-ऐश्वर्य में समय बीतेगा, विरोधियों से व्यर्थ टकराव होगा, समय का ध्यान रखें।

कन्या राशि :- धन व समय नष्ट होगा, क्लशे व अशांति बनेगी तथा यात्रा से कष्ट होगा।

तुला राशि :- परिश्रम से सफलता के साधन अवश्य जुटायें, कार्यगति में बाधा बनेगी ध्यान दें।

वृश्चिक राशि :- चोटादि से बचिये, क्लेश व अशांति से बचिये, कष्ट अवश्य होगा।

धनु राशि :- भाग्य का सितारा बुलन्द होगा, मेहनत कर रुके कार्य बना लें अन्यथा हानि होगी।

मकर राशि :- परिश्रम विफल होगा, चिन्ता व यात्रा, व्यवधान तथा समस्या का निदान अवश्य ढूंढ लें।

कुंभ राशि :- आकस्मिक घटना से चोटादि का भय होगा, रुके कार्य अवश्य बना लें।

मीन राशि :- अधिकारियों से कष्ट, मित्र सहायक होंगे, समय स्थिति का ध्यान रखकर कार्य करें।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भूमि की पकड़ और मजबूत की 'दलदल' ने

बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि सतीश पेडनेकर परंपरागत फॉर्मूलों से हटकर अलग और प्रभावशाली कहानियों को चुनने के लिए जानी जाती हैं। उनके द्वारा अभिनीत ज्यादातर फिल्में ग्लैमर और अतिरंजित ड्रामा से दूरी रखते हुए समाज से जुड़े मुद्दों को बड़े पर्दे पर लाने का साहस दिखाती हैं। हाल ही में रिलीज हुई ग्लोबल ओटीटी हिट सीरीज़ 'दलदल' भी इसी सोच का हिस्सा है, जिसने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भूमि की पकड़ और मजबूत कर दी है। अमेज़न प्राइम पर स्ट्रीम हो रही यह साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर अमेरिका, यूके और यूएई सहित कई देशों में ट्रेंड कर रही है और दुनियाभर के दर्शक इसकी तारीफ कर रहे हैं। सीरीज़ की सफलता एक बार फिर यह साबित करती है कि भूमि के लिए माध्यम नहीं, बल्कि कहानी और अभिनय की गुणवत्ता सबसे महत्वपूर्ण है। बड़े पर्दे पर दमदार उपस्थिति दर्ज कराने के बाद उन्होंने ओटीटी दुनिया में भी अपनी जगह उतनी ही मजबूती से बनाई है। भूमि की खासियत यह है कि वह हर बार ऐसे किरदार चुनती हैं, जिनमें जोखिम हो, गहराई हो और भावनात्मक तैयारी की जरूरत भी। जहां कई कलाकार चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं से बचते हैं, वहीं भूमि इन्हें अपने विकास का रास्ता मानती हैं।

उनका कहना है कि किरदार जितना मुश्किल होगा, खुद को बेहतर साबित करने का मौका उतना ही ज्यादा मिलेगा। यही कारण है कि उनके काम में बनावट कम और वास्तविकता ज्यादा दिखाई देती है। 'दलदल' को मिल रही वैश्विक सराहना यह भी दिखाती है कि भूमि का हर चुनाव सोच-समझकर किया गया कदम होता है। फिल्मों से लेकर डिजिटल प्लेटफॉर्म तक, उनका काम सिर्फ मनोरंजन नहीं बल्कि दर्शकों के लिए एक अनुभव बनकर सामने आता है। इस सीरीज़ की सफलता के साथ भूमि ने यह साबित कर दिया है कि उनका हर जोखिम उनके करियर में एक नई ऊंचाई लेकर आता है। भूमि सतीश पेडनेकर ने अपने अभिनय से न सिर्फ भारतीय दर्शकों का विश्वास जीता है बल्कि वैश्विक स्तर पर भी यह संदेश दिया है कि दमदार कंटेंट ही असली पहचान बनाता है।

'दलदल' की उपलब्धि के बाद वे उन अभिनेत्रियों में और मजबूत स्थान रखती हैं, जो निरंतर खुद को चुनौती देकर नए आयाम स्थापित करती हैं। बता दें कि भूमि सतीश पेडनेकर उन अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं, जो परंपरागत फॉर्मूलों से हटकर अलग और प्रभावशाली कहानियों को चुनने के लिए जानी जाती हैं। उनकी फिल्मोग्राफी साफ तौर पर बताती है कि वह ग्लैमर और अतिरंजित ड्रामा से दूरी रखते हुए समाज से जुड़े मुद्दों को बड़े पर्दे पर लाने का साहस दिखाती हैं। अपनी शुरुआत से ही भूमि ने दम लगा के हईशा, टॉयलेट: एक प्रेम कथा, पति पत्नी और वो, बधाई दो, शुभ मंगल सावधान, बाला, भक्षक, भीड़, थैंक यू फॉर कमिंग और सांड की आंख जैसी फिल्मों के जरिए मजबूत विषयों को उठाया है। इन फिल्मों में उनके किरदार न सिर्फ दर्शकों को प्रभावित करते हैं, बल्कि चर्चा और सराहना भी बटोरते हैं।

जन्मदिन, सालगिरह पर सैफ करीना को देते हैं जूलरी गिफ्ट

हाल ही में बॉलीवुड के पावर कपल सैफ अली खान और करीना कपूर ने अपनी निजी जिंदगी से जुड़े दिलचस्प खुलासे किए। इंटरव्यू के दौरान जब पूछा गया कि क्या वह गहने मूड के हिसाब से खरीदते हैं या किसी खास मौके पर, तो करीना ने बताया कि सैफ अक्सर उन्हें जन्मदिन, सालगिरह और उपलब्धियों पर खूबसूरत जूलरी गिफ्ट करते हैं।

सैफ ने भी स्वीकार किया कि वह करीना की खुशियों और सफलताओं का जश्न मनाने के लिए उन्हें गहने देना पसंद करते हैं। जब जॉम्बी अटैक पर सवाल आया तो सैफ ने मजाकिया अंदाज में कहा, 'मैंने जॉम्बी फिल्म (गो गोवा गॉन) की है, इसलिए मैं ही बचूंगा। लेकिन टेंशन मत लो, मैं तुम्हें और परिवार को सुरक्षित रखूंगा।' सैफ का जवाब सुनते ही करीना हंस पड़ीं और बोलीं, 'उम्मीद तो यही है।' फैंस के लिए सबसे दिलचस्प खुलासा रहा प्यार का इजहार। इस पर करीना ने हंसते हुए कहा कि 'पहल मैंने ही की थी। सैफ मुझे शर्मिंदा नहीं करना चाहते, इसलिए चुप हैं, लेकिन पहली बार आई लव यू मैंने ही कहा था।' सैफ ने भी मुस्कुराते हुए करीना की बात का समर्थन किया, हालांकि उन्होंने मजाक में कहा कि अब उन्हें याद नहीं कि किसने पहले कहा था।

बातचीत के दौरान सेंस ऑफ ह्यूमर पर सवाल आया तो करीना ने तुरंत सैफ का नाम ले लिया। वहीं, खाने की बात पर सैफ ने करीना को फूड एक्सपर्ट बताते हुए कहा कि बाहर खाना ऑर्डर करने की जिम्मेदारी हमेशा करीना उठाती हैं क्योंकि उन्हें खाने की बेहतरीन समझ है। सैफ और करीना की लव स्टोरी 2008 में फिल्म टशन की शूटिंग के दौरान शुरू हुई थी। दोनों ने 2012 में शादी की और अब दो बेटों तैमूर और जेह के माता-पिता हैं।

अवंतिका के साथ रिश्ता संतुलित और हेल्दी नहीं था : इमरान खान

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान के भांजे और अभिनेता इमरान खान ने अपने निजी जीवन को लेकर भी खुलासे किए और बताया कि उनकी मेंटल हेल्थ पर उनके व्यक्तिगत रिश्तों का कितना असर पड़ा। इमरान ने कहा कि उनकी एक्स वाइफ अवंतिका मलिक के साथ रिश्ता संतुलित और हेल्दी नहीं था। यह रिश्ता बहुत कम उम्र में शुरू हुआ, जब दोनों सिर्फ 17-18 साल के थे। उस समय वे यह नहीं समझ पाए कि रिश्ते को सही तरीके से निभाने के लिए क्या जरूरी है। इमरान और अवंतिका की मुलाकात टीनएज में हुई और कई साल तक डेटिंग करने के बाद उन्होंने 16 जनवरी 2010 को करजत में सगाई कर ली। इसके बाद दोनों आमिर खान के घर पर शादी के बंधन में बंध गए। 2013 में उनके घर बेटी इमारा का जन्म हुआ। हालांकि, 2019 में कपल अलग हो गया और तलाक उसी साल औपचारिक रूप से पूरा हुआ। इमरान ने बताया कि लोगों को लगता है कि तलाक के बाद उनका मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ा, लेकिन असलियत इसके बिल्कुल उलट थी। उन्होंने कहा कि तलाक के बाद उनका मानसिक स्वास्थ्य बेहतर हुआ और इस पूरी प्रक्रिया में किसी की गलती नहीं थी।

भारतीय राजनीति में कई चीजें बेहद जटिल हैं : सनी लियोनी

हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी ने अपने जीवन, करियर और भारतीय एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की चुनौतियों पर खुलकर बात की। एक बातचीत में सनी से पूछा गया कि हॉलीवुड में एक्टर्स अक्सर पॉलिटिकल मुद्दों पर बेबाक होकर अपनी राय रखते हैं, लेकिन भारत में ऐसा कम देखने को मिलता है। इस पर सनी ने बिना झिझक कहा कि भारत में चीजें बेहद जटिल हैं और कई समूहों के बीच किसी भी छोटे बयान को बड़ा मुद्दा बना दिया जाता है। उन्होंने कहा, 'भारत में कई तरह के समूह हैं। आपको कभी नहीं पता चलता कि आपकी कौन-सी बात किसे बुरी लग जाए। बात को पकड़कर उसे ट्विस्ट कर देना यहां बहुत आसान है।' सनी के मुताबिक, यही कारण है कि कई भारतीय सेलिब्रिटीज पॉलिटिक्स पर चुप रहना ही ज्यादा सुरक्षित समझते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी शब्द को गलत तरीके से पेश किया जा सकता है, इसलिए पब्लिक फिगर्स अक्सर राजनीतिक विवादों से दूरी बनाए रखते हैं।

हालांकि, सनी लियोनी का यह भी मानना है कि कुछ मुद्दे ऐसे हैं जिन पर हर किसी को आवाज उठानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण जैसे विषय स्वच्छ हवा, पेड़-पौधों की जरूरत और शहरों की सफाई पर बेझिझक बात की जा सकती है क्योंकि ये चीजें आम लोगों से सीधे जुड़ी हैं और किसी राजनीतिक झगड़े का हिस्सा नहीं बनतीं। सनी ने बताया कि उनके पति डेनियल वेबर इन सामाजिक मुद्दों को लेकर काफी सक्रिय रहते हैं। वह बीएमसी को ट्वीट करके अपने इलाके की समस्याएं बताते रहते हैं, और कई बार उनकी शिकायतों पर कार्रवाई भी होती है। सनी के मुताबिक, यदि कोई व्यक्ति पॉलिटिक्स पर बोलने के बाद आने वाले परिणाम झेलने के लिए तैयार है, तो वह जरूर इस पर चर्चा कर सकता है, लेकिन ज्यादातर कलाकार ऐसा जोखिम नहीं उठाना चाहते।

अरिजीत सिंह ने की स्टेज पर धमाकेदार वापसी

प्लेबैक सिंगिंग से रिटायरमेंट का ऐलान करने के कुछ ही दिनों बाद बॉलीवुड के लोकप्रिय सिंगर अरिजीत सिंह ने स्टेज पर धमाकेदार वापसी की। कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में रविवार रात को उन्होंने सितार वादक अनुष्का शंकर के साथ परफॉर्म किया। अनुष्का शंकर के चैप्टर्स टूर 2026 का यह इवेंट हिस्सा था, जिसमें अरिजीत गेस्ट परफॉर्मर के तौर पर शामिल हुए। जैसे ही उन्हें स्टेज पर बुलाया गया, पूरा स्टेडियम तालियों और चीयरिंग से गूंज उठा। स्टेज पर आते ही अरिजीत ने दर्शकों से कहा, 'मैं बहुत नर्वस हूं, मुझे बुलाने के लिए धन्यवाद।' उनकी यह सादगी भरी बात सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई। इस मौके पर अरिजीत और अनुष्का ने तबला वादक बिक्रम घोष के साथ मिलकर बांग्ला रचना माया भोरा राती पेश की, जिसे लक्ष्मी शंकर ने गाया था और पंडित रवि शंकर ने इसका संगीत तैयार किया था।

क्लासिकल और समकालीन संगीत का यह संगम दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर गया। इसके बाद दोनों ने ट्रेसेस ऑफ यू का ड्यूएट वर्जन प्रस्तुत किया, जो मूल रूप से अनुष्का और नोरा जोन्स का गाना है। लगभग 20 मिनट की यह परफॉर्मेंस दर्शकों ने खूब सराही और सोशल मीडिया पर इसके वीडियो वायरल हो गए। अरिजीत ने परफॉर्मेंस के बाद बताया कि हाल ही में वह अनुष्का के घर गए थे और दोनों ने मिलकर एक नई धुन पर काम किया। इस खुलासे ने फैंस में उत्सुकता बढ़ा दी कि भविष्य में दोनों की कोई खास पेशकश सुनने को मिल सकती है।

वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई, जहां फैंस भावुक होकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे थे। गौरतलब है कि 27 जनवरी को अरिजीत सिंह ने इंस्टाग्राम पर घोषणा की थी कि वह अब प्लेबैक सिंगिंग के नए असाइनमेंट नहीं लेंगे। उन्होंने अपने करियर को शानदार बताते हुए श्रोताओं का आभार जताया और बाद में ट्वीट में स्पष्ट किया कि यह फैसला लंबे सोच-विचार के बाद लिया गया है। हालांकि, स्टेज पर उनकी यह वापसी साबित कर देती है कि उनकी आवाज़ और कला आज भी फैंस के दिलों में उतनी ही जीवंत है।

भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स शेरपाओं की पहली बैठक संपन्न

नई दिल्ली। भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स शेरपाओं और सूस शेरपाओं की दो दिवसीय बैठक में आगामी बैठकों की रूपरेखा तय की गई। इन दो दिनों में सदस्य देशों ने पीएम मोदी के जन-केंद्रित और मानवता-प्रथमदृष्टिकोण आधारित प्राथमिकताओं पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स शेरपाओं और सूस शेरपाओं (मुख्य शेरपा के निजी प्रतिनिधि) की पहली बैठक 9-10 फरवरी 2026 को नई दिल्ली में हुई, जिसकी अध्यक्षता भारत के ब्रिक्स शेरपा और आर्थिक संबंध सचिव सुधाकर दलेला ने की। इनका साथ संयुक्त सचिव (बहुपक्षीय आर्थिक संबंध) शंभू एल. हक्की ने दिया, जो सूस शेरपा हैं।

संविधान विरोधी हैं राहुल, संसद के समय को कर रहे बर्बाद: मनोज तिवारी

नई दिल्ली । भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने हाल ही में संसद में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ उठ रहे अविश्वास प्रस्ताव और नरवणे संस्मरण विवाद पर अपनी राय दी। उन्होंने कहा कि यह देश के लिए दुर्भाग्य की बात है कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी संविधान का पालन करने में असमर्थ दिख रहे हैं। मनोज तिवारी का कहना है कि राहुल गांधी नियम कानून मानने वाले नेता नहीं हैं और अपनी जिद में अपनी ही पार्टी का नुकसान कर चुके हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि संसद का समय बहुत कीमती है। हर सेकंड की अहमियत है, लेकिन विपक्ष का व्यवहार ऐसा है कि संसद का सत्र प्रभावित हो रहा है।

ईरान की ओर बढ़ रहा विशाल बेड़ा, ट्रंप ने तेहरान को दी कड़ी चेतावनी

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका ने ईरान की ओर एक विशाल नौसैनिक बेड़ा तैनात किया है। साथ ही उन्होंने संकेत दिया कि ईरान बातचीत करना चाहता है, लेकिन अमेरिका की शर्तें स्पष्ट और सख्त होंगी। फॉक्स बिजनेस के लैरी कडलो को दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने क्षेत्र में बढ़ी अमेरिकी सैन्य सक्रियता का जिक्र करते हुए कहा, फ़जैसा कि आप जानते हैं, इस समय एक विशाल बेड़ा ईरान की ओर जा रहा है। देखते हैं क्या होता है। ट्रंप ने कहा कि उन्हें लगता है ईरान समझौता करना चाहता है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है वे डील करना चाहते हैं। अगर वे ऐसा नहीं करते तो यह उनकी मूर्खता होगी। हालांकि, ट्रंप ने साफ किया कि किसी भी समझौते में अमेरिका की मूल चिंताओं को शामिल करना जरूरी होगा।

कर्नाटक कांग्रेस पर 'अर्बन नक्सल' से गठजोड़ का आरोप

कोलार। भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को आरोप लगाया कि कर्नाटक कांग्रेस ने लोकतंत्र, संघीय ढांचे और डॉ. बी.आर. आंबेडकर द्वारा दिए गए संविधान की मर्यादाओं के भीतर काम करने के बजाय अर्बन नक्सल से खुद को जोड़ लिया है। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चालवाडी नारायणस्वामी ने कोलार में मीडिया से बातचीत करते हुए यह बयान दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में नक्सलवाद की शुरुआत कम्युनिस्टों से हुई थी और इसके लिए जनता ने उन्हें पूरी तरह नकार दिया। बाद में कांग्रेस को भी जनता ने खारिज कर दिया। नारायणस्वामी ने कहा कि अर्बन नक्सल से गठजोड़ कर कांग्रेस अब फ़कम्युनिस्ट कांग्रेस अर्बन नक्सलाइटफ़ पार्टी बन गई है। उन्होंने कहा कि संघीय व्यवस्था में ग्राम पंचायत से लेकर प्रधानमंत्री तक आपसी सम्मान की संरचना होती है। लेकिन उनका आरोप है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने प्रधानमंत्री के लिए कायर शब्द का इस्तेमाल कर असंवैधानिक तरीके से उनका अपमान किया है।

नेतन्याहू की आगवानी के लिए तैयार वॉशिंगटन

ट्रंप के साथ बैठक पर दुनिया की नजरें

यरूशलेम

ईरान और अमेरिका के बीच जारी परमाणु वार्ताओं के बावजूद मध्य पूर्व में तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। दोनों पक्षों की ओर से जारी धमकियों और कूटनीतिक रस्साकशी के बीच इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू एक बेहद महत्वपूर्ण मिशन पर अमेरिका रवाना हो रहे हैं। पीएम नेतन्याहू वॉशिंगटन डीसी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करने वाले है। रणनीतिक रूप से यह बैठक इसलिए भी खास है क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप के दोबारा सत्ता में आने के बाद से दोनों नेताओं के बीच यह सातवीं आधिकारिक मुलाकात होगी, जिसने ईरान की चिंताएं बढ़ा दी हैं।

अमेरिका के लिए रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने इस यात्रा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उनकी ये बार-बार होने वाली मुलाकातें इजरायल और अमेरिका के बीच के असाधारण और ऐतिहासिक संबंधों का प्रमाण हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों देशों के बीच आज जितनी नजदीकी है, वैसी इजरायल के इतिहास में पहले कभी नहीं देखी गई। हालांकि इस यात्रा का मुख्य केंद्र गाजा की स्थिति और क्षेत्रीय सुरक्षा है, लेकिन नेतन्याहू के एजेंडे में सबसे ऊपर ईरान के साथ होने वाली परमाणु बातचीत और उससे जुड़ी इजरायली चिंताएं हैं। नेतन्याहू ने स्पष्ट किया कि वह राष्ट्रपति ट्रंप के सामने बातचीत के उन कड़े सिद्धांतों को रखेंगे, जो न केवल इजरायल के अस्तित्व के लिए बल्कि पूरे मध्य पूर्व की शांति और सुरक्षा के लिए अनिवार्य हैं। इजरायली पक्ष का मानना है कि ईरान के साथ किसी भी नए समझौते में केवल परमाणु हथियारों को रोकने की बात नहीं होनी चाहिए, बल्कि यूरेनियम संवर्धन की किसी भी संभावना को पूरी तरह समाप्त करना होगा। इसके अलावा, इजरायल चाहता है कि ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर पूर्ण प्रतिबंध लगे और वह आतंकवाद की फंडिंग व समर्थन बंद करे। बैठक के समय को लेकर भी कई कयास लगाए जा रहे हैं। पहले यह यात्रा महीने के अंत में प्रस्तावित थी, लेकिन इसे अचानक समय से पहले तय किया गया। राजनीतिक विश्लेषक इसे ओमान में हाल ही में ईरान और अमेरिका के बीच हुई सकारात्मक बातचीत के प्रति इजरायल की सतर्कता के रूप में देख रहे हैं। नेतन्याहू का मानना है कि बुराई की धुरी को रोकने के लिए अमेरिका का रुख सख्त रहना चाहिए। व्हाइट हाउस में बुधवार सुबह 11 बजे होने वाली इस गोपनीय बैठक के बाद फिलहाल किसी प्रेस कॉन्फ्रेंस की योजना नहीं है, लेकिन बंद कमरे में होने वाली यह चर्चा मध्य पूर्व के भविष्य और ईरान के प्रति अमेरिकी नीति की नई दिशा तय कर सकती है।

खालिस्तानियों के लिए कनाडा नहीं रहेगा सुरक्षित पनाहगाह, हर हरकत पर रहेगी नजर

ओटावा। कनाडा पिछले काफी समय से खालिस्तानी चरमपंथियों की सुरक्षित पनाहगाह बना हुआ है, अब वहां इन भारत-विरोधियों के लिए 'नो एंट्री' का बोर्ड लगने वाला है। नेशनल सिक?योरिटी एडवाइजर (एनएसए) अजीत डोभाल ने कनाडा की एनएसए नथाली ड्रौइन के साथ दो दिनों तक ऐसी 'सर्जिकल स्ट्राइक' वाली कूटनीति की कि अब खालिस्तानियों के पास भागने का रास्ता भी नहीं बचेगा। अब कनाडा की धरती खालिस्तानी नेटवर्क के लिए सुरक्षित पनाहगाह नहीं रहेगी। कनाडा सरकार अब खालिस्तानी गतिविधियों को फ्री स?पीच के बजाय आर्गनाइज्?ड क्राइम के रूप में देखेगी। इतना ही नहीं, खालिस?तानी वहां भारत के खिलाफ कुछ भी करेंगे तो इसकी जानकारी कनाडा की सरकार भारत को देगी। मीडिया रिपोर्ट में शीर्ष सरकारी सूत्रों ने बताया कि डोभाल और ड्रौइन के बीच हुई इस बातचीत ने भारत-कनाडा संबंधों को रीसेट कर दिया है। कनाडा ने साफ कहा कि वह खालिस्तानी लिंक वाले नेटवर्क जैसे हिंसक समूहों को किसी भी तरह समर्थन नहीं देगी। वहीं नशीली दवाओं की तस?करी, साइबर खतरों और आतंकवाद पर रीयल-टाइम खुफिया जानकारी साझा किया जाएगा।

चीन का तीव्र परमाणु विस्तार और अमेरिका-रूस नियंत्रण व्यवस्था का अवसान

दुनिया नई हथियार प्रतिस्पर्धा की दहलीज़ पर, वर्ष 2030 तक चीन के पास होंगे 1000 परमाणु आयुध

बहुध्रुवीय तथा अधिक जोखिमपूर्ण सुरक्षा परिवेश की ओर बढ़ सकता है विश्व

नई दिल्ली

चीन के तीव्र गति से बढ़ते परमाणु आयुध भंडार ने उस वैश्विक सामरिक संतुलन को गहराई से प्रभावित कर दिया है, जो दशकों तक अमेरिका और रूस के बीच चली आ रही नियंत्रण व्यवस्थाओं पर आधारित था। अंतिम बाध्यकारी परमाणु नियंत्रण संधि की अवधि समाप्त होने के साथ ही अब विश्व ऐसी अनिश्चित दिशा की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है, जहाँ तीन प्रमुख शक्तियों के बीच अविश्वास, शक्ति-प्रदर्शन और प्रतिस्पर्धी शस्त्रीकरण नई वास्तविकता बनते जा रहे हैं। विश्व स्तर पर उपलब्ध आकलनों के अनुसार अमेरिका और रूस आज भी पृथ्वी पर मौजूद कुल परमाणु आयुधों का लगभग 90% भाग अपने पास रखते हैं। यह संरचना शीतयुद्ध के बाद की उस व्यवस्था की देन थी, जिसमें दोनों महाशक्तियों ने क्रमशः अपने भंडार को सीमित और नियंत्रित रखने के लिए अनेक समझौते किए थे। किंतु हालिया घटनाक्रम ने इस दीर्घकालिक संतुलन को कमजोर कर दिया है और पहली बार आधी सदी से अधिक समय बाद दोनों देशों के सामरिक परमाणु शस्त्रागार पर कोई बाध्यकारी सीमा शेष नहीं रही।

एक महत्वपूर्ण आयाम के रूप में उभरा रहा भारत भी

चीन का उभरता परमाणु आयाम

स्टॉकहोम स्थित अंतरराष्ट्रीय शांति अनुसंधान संस्थान के आकलन के अनुसार चीन के पास वर्तमान में लगभग 600 परमाणु आयुध हैं और 2023 के बाद से उसके भंडार में प्रति वर्ष लगभग 100 नए आयुध जुड़ने की प्रवृत्ति देखी गई है। अमेरिकी सामरिक आकलनों में यह भी संकेत दिया गया है कि 2030 तक यह संख्या 1000 से अधिक हो सकती है। चीन द्वारा नए प्रक्षेपास्त्र साइलो, दीर्घ-पल्लवित प्रक्षेपास्त्र प्रणालियों और समुद्री प्रतिरोधक क्षमता के विस्तार को
उसके व्यापक सैन्य आधुनिकीकरण का संकेत माना जा रहा है। रणनीतिक विश्लेषकों का मत है कि चीन की यह तीव्र वृद्धि पारंपरिक द्विपक्षीय नियंत्रण ढाँचे को अप्रासंगिक बना रही है, क्योंकि अब वैश्विक परमाणु संतुलन केवल अमेरिका और रूस के बीच नहीं, बल्कि त्रिपक्षीय शक्ति संरचना में निर्धारित हो रहा है। पारदर्शिता की सीमितता और वास्तविक संख्या को लेकर अनिश्चितता भी वैश्विक चिंताओं को बढ़ा रही है।

अमेरिका-रूस नियंत्रण व्यवस्था का अंत

5 फरवरी 2026 को अंतिम बाध्यकारी परमाणु नियंत्रण संधि की अवधि समाप्त होने के साथ ही 1960 के दशक से चली आ रही अमेरिका-सोवियत संघ तथा बाद में रूस के साथ द्विपक्षीय नियंत्रण प्रक्रिया का ऐतिहासिक अवसान हो गया। इस व्यवस्था के अंतर्गत तैनात सामरिक परमाणु आयुधों की अधिकतम सीमा निर्धारित थी तथा पारस्परिक निरीक्षण, आँकड़ा विनिमय और सत्यापन जैसी व्यवस्थाएँ विश्वास बनाए रखने का आधार थीं। रूस द्वारा 2023 में अपनी भागीदारी निलंबित किए जाने के बाद से ही यह ढाँचा व्यावहारिक रूप से कमजोर पड़ चुका था। संधि के समाप्त होने से अब दोनों देशों के पास अपने मौजूदा भंडार को बढ़ाने, पुनर्संयोजित करने या नए तैनाती ढाँचे विकसित करने की पूर्ण स्वतंत्रता उत्पन्न हो गई है। अंतरराष्ट्रीय नेतृत्व ने इसे वैश्विक शांति के लिए 'गंभीर क्षण' बताते हुए चेताया है कि बिना सत्यापन योग्य सीमाओं के गलत आकलन और आकस्मिक टकराव का जोखिम बढ़ सकता है।

भारत का परमाणु भंडार और क्षेत्रीय संतुलन

एशियाई सामरिक परिदृश्य में भारत भी एक महत्वपूर्ण आयाम के रूप में उभरा है। उपलब्ध आकलनों के अनुसार जनवरी 2025 तक भारत के पास लगभग 180 परमाणु आयुध हैं, जो पिछले वर्ष के लगभग 172 से बढ़े हैं। भारत ने भूमि, वायु और समुद्र आधारित त्रिस्तरीय प्रक्षेपण क्षमता को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर प्रगति की है, जिसका उद्देश्य विश्वसनीय प्रतिरोधक संतुलन बनाए रखना है। उसी क्षेत्र में पाकिस्तान के पास लगभग 170 तथा चीन के पास 600 आयुध बताए जाते हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि एशिया में सामरिक शक्ति-संतुलन तीव्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। चीन की तेज़ वृद्धि और क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा ने सुरक्षा गणनाओं को और जटिल बना दिया है।

नई वैश्विक दिशा: प्रतिस्पर्धी शस्त्रीकरण का जोखिम

विशेषज्ञों का मानना है कि परमाणु नियंत्रण व्यवस्था के क्षरण, रूस-पश्चिम टकराव, यूक्रेन युद्ध से उपजी अविश्वास की खाई और चीन के तीव्र विस्तार ने विश्व को ऐसी स्थिति में ला खड़ा किया है जहाँ नई हथियार प्रतिस्पर्धा की आशंका प्रबल हो गई है। बिना पारदर्शी निरीक्षण तंत्र के रणनीतिक निर्णय अधिक अनुमान-आधारित हो सकते हैं, जिससे तनाव और आकस्मिक संकट की संभावना बढ़ती है। यदि निकट भविष्य में कोई व्यापक और बहुपक्षीय, सत्यापन-समर्थित समझौता अस्तित्व में नहीं आता, तो विश्व बहुध्रुवीय तथा अधिक जोखिमपूर्ण सुरक्षा परिवेश की ओर बढ़ सकता है, जहाँ परमाणु प्रतिरोध की पारंपरिक अवधारणा कमजोर होकर शक्ति-प्रदर्शन की राजनीति प्रमुख कारक बन जाएगी।

एपस्टीन फाइल्स में कई प्रभावशाली लोगों के नाम छिपाए गए, अमेरिका में फिर भूचाल

वाशिंगटन

कुख्यात यौन अपराधी और कारोबारी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े दस्तावेजों को लेकर अमेरिका में एक बार फिर राजनीतिक भूचाल आ गया है। डेमोक्रेट सांसद रो खन्ना और रिपब्लिकन सांसद थॉमस मैसी ने न्याय विभाग पर आरोप लगाते हुए दावा किया कि एपस्टीन फाइल्स में कई प्रभावशाली लोगों के नाम छिपाए गए हैं। दोनों सांसदों ने खुद न्याय विभाग पहुंचकर बिना संपादित दस्तावेजों की समीक्षा की और छह नए नाम सार्वजनिक किए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खन्ना और मैसी ने बताया कि जिन छह नामों को अब तक सार्वजनिक दस्तावेजों में प्रमुखता से नहीं दिखाया गया, उनमें अरबपति कारोबारी लेस्ली वेक्सनर, निकोला कापुतो, लिओनिक लिओनोव, जुराब मिकेलाद्ज़े, सुल्तान अहमद बिन सुलेयम और साल्वातोर नुआरा शामिल हैं। खन्ना ने एक्स पर सवाल उठाया कि यदि वे खुद न्याय विभाग न जाते, तो क्या ये नाम कभी सामने आते? रिपोर्ट के मुताबिक रो खन्ना ने आरोप लगाया कि करीब 30 लाख पन्नों के दस्तावेजों में से 70 से 80 फीसदी सामग्री अब भी 'रेडक्टेड' है यानी उसे काला कर दिया है जिसे पढ़ने योग्य नहीं छोड़ा है। उनका दावा है कि इस तरह अहम जानकारियां छिपाई जा रही हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मार्च में ही एफबीआई ने कुछ फाइलों को 'स्क्रब' कर दिया था। खन्ना के मुताबिक 'एपस्टीन फाइल्स ट्रांसपेरेंसी एक्ट' के तहत कथित साजिशकर्ताओं के नाम छिपाने की अनुमति नहीं है, फिर भी ऐसा किया जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी में सार्वजनिक किए गए दस्तावेजों का दायरा बेहद व्यापक है। इनमें 30 लाख से ज्यादा पन्ने, 2,000 से ज्यादा वीडियो और करीब 1.8 लाख तस्वीरें शामिल हैं। इन खुलासों के बीच एक और दस्तावेज ने विवाद को जन्म दिया है- 330 गैलन सल्फ्यूरिक एसिड की खरीद की रसीद। रिकॉर्ड के मुताबिक 12 जून 2018 को एपस्टीन के निजी द्वीप 'लिटिल सेंट जेम्स' पर 55-55 गैलन के छह ड्रम तेजाब पहुंचाए गए थे। यह वही दिन था जब एफबीआई ने आधिकारिक तौर पर एपस्टीन के सेक्स ट्रैफिकिंग नेटवर्क की जांच शुरू की थी।

ईरान समझौते की शर्तों को नहीं मानता है, तो भुगतने होंगे गंभीर सैन्य परिणाम

वॉशिंगटन। ईरान और अमेरिका के बीच एक नए परमाणु समझौते को लेकर जारी बातचीत के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सख्त रुख अपनाया है। एक इंटरव्यू में ट्रंप ने साफ किया कि यदि ईरान समझौते की शर्तों को नहीं मानता है, तो उसे गंभीर सैन्य परिणामों का सामना करना पड़ सकता है। सैन्य बेड़े की रवानगी और चेतावनी देते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका का एक विशाल नौसैनिक बेड़ा ईरान की ओर रवाना हो चुका है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि ईरान समझौता करना चाहता हैं, और अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो यह उनकी बेवकूफी होगी। हमने पहले भी उनके न्यूक्लियर ठिकानों को तबाह कर दिया है, और हम देखेंगे कि इस बार हम और क्या नष्ट कर सकते हैं।

ट्रंप का यह बयान उस समय आया है जब सोमवार को ओमान की मध्यस्थता में दोनों देशों के अधिकारियों के बीच सीधी मुलाकात हुई। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाक़ाई ने बातचीत को सकारात्मक बताया और संकेत दिया कि वार्ता आगे भी जारी रहेगी। एक तरफ जहां कूटनीतिक रास्तों से समाधान निकालने की कोशिश हो रही है, वहीं ट्रंप की सैन्य कार्रवाई की धमकी ने इस बातचीत पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। बता दें अमेरिका चाहता है कि ईरान अपने यूरेनियम संवर्धन और परमाणु ठिकानों को पूरी तरह नियंत्रित करे। ट्रंप प्रशासन मैक्सिमम प्रेशर की नीति अपना रहा है ताकि ईरान को उसकी शर्तों पर झुकने के लिए मजबूर किया जा सके।

6.10 लाख करोड़ का राजस्थान बजट

8वें वेतन आयोग और युवाओं को ब्याज मुक्त लोन पर फोकस

जयपुर

राजस्थान की वित्त मंत्री दीया कुमारी ने बुधवार को भजनलाल शर्मा सरकार का लगातार तीसरा पूर्ण बजट पेश किया। करीब 2 घंटे 52 मिनट के भाषण में उन्होंने 6 लाख 10 हजार 956 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तुत किया। बजट में सरकारी कर्मचारियों, किसानों, युवाओं, महिलाओं, स्वास्थ्य, पेयजल, इंफ्रास्ट्रक्चर और पर्यावरण से जुड़े कई बड़े एलान किए गए।

कर्मचारियों के लिए घोषणा- बजट में कर्मचारियों के लिए 8वें वेतन आयोग को लागू करने की दिशा में हाईपावर कमेटी गठित करने की घोषणा की है। हालांकि उनकी लंबित मांगों को लेकर बजट में कोई घोषणा नहीं की गई। इसे लेकर कर्मचारियों में निराशा भी नजर आई।

युवाओं के लिए घोषणा

दूसरी बड़ी घोषणा भर्ती परीक्षाओं को लेकर हुई। इसमें सरकार ने नई नौकरियों का एलान तो नहीं किया, लेकिन भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए राजस्थान स्टेट टेस्टिंग एजेंसी स्थापित किए जाने का एलान किया गया। युवाओं को राहत देते हुए सरकार ने 30 हजार युवाओं को 10 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त लोन देने की घोषणा की है। इसके साथ ही स्कूली बच्चों को खेल किट और जादुई पिटारा वितरित किए जाएंगे।

बांग्लादेशी मुस्लिम के खिलाफ अभियान जारी रहेगा, शिकायत पर कटे लाखों संदिग्ध नाम

गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुवाहाटी में पत्रकारों से बात करते हुए अवैध प्रवासियों के खिलाफ अपने सख्त रुख को फिर से दोहराया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बांग्लादेश से आए गैर-कानूनी मुस्लिम अप्रवासी के खिलाफ उनकी सरकार का अभियान निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने कहा राज्य में चल रहे स्पेशल रिवीजन (स्क्र) यानी मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान, भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमीनी स्तर पर सक्रियता दिखाते हुए लाखों संदिग्ध मतदाताओं के खिलाफ शिकायतें दर्ज कराई थीं। मुख्यमंत्री के अनुसार, इन शिकायतों की जांच के बाद मतदाता सूची से बड़ी संख्या में संदिग्ध नाम हटा दिए गए हैं। सरमा ने इस कार्रवाई को असम की जनसांख्यिकी और मूल निवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए अनिवार्य बताया। उन्होंने कहा कि राज्य की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को घुसपैठियों से मुक्त रखना उनकी प्राथमिकता है और यह अभियान तब तक नहीं रुकेगा जब तक एक-एक अवैध मतदाता की पहचान नहीं हो जाती।

काटे गए 2.43 लाख से ज्यादा नाम

उनकी इस टिप्पणी से एक दिन पहले चुनाव आयोग ने असम की फाइनल वोटर लिस्ट जारी की है, जिसमें ड्राफ्ट रोल से 2.43 लाख से ज्यादा नाम हटा दिए गए थे। गुवाहाटी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सरमा ने कहा कि यह तो सिर्फ शुरुआत है। जब विशेष गहन सुधार (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) होगा, तब ऐसे और भी नाम लिस्ट से बाहर किए जाएंगे।

भारतीय वायु सेना और थाईलैंड का वायु अभ्यास

आकाश में सुखोई व ग्रिपेन ने दिखाई ताकत

नई दिल्ली

भारतीय वायु सेना और थाईलैंड की रॉयल थाई एयर फोर्स ने एक बेहद महत्वपूर्ण संयुक्त वायु अभ्यास प्रारंभ किया है। दोनों देशों के इस वायु अभ्यास में आधुनिक लड़ाकू विमान, निगरानी विमान व लड़ाकू विमानों को सपोर्ट देने वाले विमान हवा में अपनी ताकत दिखा रहे हैं। भारतीय वायुसेना के मुताबिक यह अभ्यास दोनों देशों की वायु सेनाओं के बीच संचालनात्मक समन्वय और इंटरऑपरेबिलिटी को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण कदम है। भारतीय वायु सेना की ओर से इस अभ्यास में सुखोई-30एमकेआई फाइटर जेट, एयरबॉर्न वॉर्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम (एडब्लूएसीएस) और आईएल-78 रिफ्यूलिंग विमान हिस्सा ले रहे हैं।

वहीं, थाईलैंड की रॉयल थाई एयर फोर्स के ग्रिपेन लड़ाकू विमान भी इसमें भाग ले रहे हैं। इस अभ्यास का उद्देश्य दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग को और मजबूत करना, आपसी सामरिक समझ बढ़ाना और क्षेत्रीय सुरक्षा व सामरिक तालमेल को बढ़ावा देना है।

सामरिक सहयोग को बढ़ावा देने अहम भूमिका निभाते हैं ऐसे अभ्यास

रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, इस तरह के अभ्यास क्षेत्रीय स्थिरता और सामरिक सहयोग को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाते हैं। साथ ही ये अभ्यास दोनों देशों की रक्षा तैयारियों को वास्तविक परिस्थितियों में परखने का मौका देते हैं। गौरतलब है कि इससे पहले भारत और थाईलैंड की सेनाएं संयुक्त सैन्य अभ्यास 'मैत्री' को अंजाम दे चुकी हैं। वह संयुक्त सैन्य अभ्यास मेघालय के उमरोई में आयोजित किया गया था। एक जटिल अभ्यास के तहत यहां बस को अपहरणकर्ताओं से मुक्त कराने का प्रशिक्षण दिया गया था। बंधकों की मुक्ति के लिए सैन्य हस्तक्षेप अभियान चलाए गए। आतंकियों के कब्जे वाले कमरों में प्रवेश कर खतरों का खात्मा करने का अभ्यास भी दोनों देशों की सेनाओं द्वारा किया गया। जवानों ने रॉक क्राफ्ट ट्रेनिंग की जिसके तहत दुर्गम स्थानों पर चढ़ाई का अभ्यास किया गया।

थाईलैंड दौरे पर गया था आईएनएस सागरध्वनि

वहीं भारतीय नौसेना की दक्षिणी नौसैनिक कमान से समुद्र-विज्ञान अनुसंधान पोत आईएनएस सागरध्वनि बीते दिनों थाईलैंड गया था। यह महत्वपूर्ण पोत डीआरडीओ के नौसैनिक भौतिक एवं समुद्र-विज्ञान प्रयोगशाला के अंतर्गत आता है। यह 'सागर मैत्री' पहल थी। यह पहल भारत सरकार के 'महासागर' विजन के अनुरूप थी। इस पहल का उद्देश्य हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के साथ सामाजिक-आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना तथा विशेष रूप से समुद्र-विज्ञान अनुसंधान में वैज्ञानिक सहभागिता को सुदृढ़ करना है।

अकासा के सह संस्थापक प्रवीण अय्यर ने दिया इस्तीफा

मुंबई। नवोदित विमान सेवा कंपनी अकासा के सह-संस्थापक एवं मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी (सीसीओ) विनय दुबे ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है ।एयरलाइंस ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि उन्होंने पांच साल तक कंपनी से जुड़े रहने के बाद करियर में अगले पड़ाव की तरफ जाने का फैसला किया है। वह 30 अप्रैल तक अपनी सेवा जारी रखेंगे ।अकासा ने सह-संस्थापक एवं मुख्य सूचना अधिकारी आनंद श्रीवास्तव को अगला सीसीओ नियुक्त किया है। अकासा के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनय दुबे ने कहा कि श्री अय्यन ने न सिर्फ अकासा के वाणिज्यिक विजन को बल्कि पूरी एयरलाइंस को मौजूदा स्वरूप प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है।

जियोफाइनेंस ऐप पर अब अलग-अलग बैंकों की सावधि जमा सुविधा

मुंबई। जियोफाइनेंस ऐप ने अपने प्लेटफॉर्म पर कई बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों एनबीएफसी की सावधि जमा सेवाएं शुरू की हैं। कंपनी ने बताया कि अब ग्राहक एक ही ऐप पर विभिन्न बैंकों की सावधि जमा की शर्तों की तुलना कर निवेश कर सकेंगे। ऐप पर यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक, सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक, बजाज फाइनेंस, श्रीराम फाइनेंस, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक और महिंद्रा फाइनेंस सहित कई संस्थानों की सावधि जमा सुविधाएं उपलब्ध हैं। उपयोगकर्ता ब्याज दर के आधार पर विकल्पों को फिल्टर कर सकते हैं। जियोफाइनेंस ऐप पर 8.15 प्रतिशत सालाना तक की ब्याज दर की पेशकश की जा रही है।

वेदांता ने स्टेम में 50 फीसदी महिलाओं की नियुक्ति का रखा लक्ष्य

नई दिल्ली। खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांता ने विज्ञान में महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस के मौके पर बुधवार को कहा कि उसने स्टेम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) में इस साल 50 प्रतिशत से अधिक महिलाओं की नियुक्ति का लक्ष्य रखा है। कंपनी ने आज बताया कि स्टेम में उसकी नयी नियुक्तियों में 35 प्रतिशत से अधिक महिलाएं हैं। शीर्ष नेतृत्व और प्रबंधन की भूमिकाओं को मिलाकर कंपनी में 45 फीसदी महिलाएं हैं। इस गति को आगे बढ़ाते हुए उसने इस साल में स्टेम भूमिकाओं में 50 फीसदी से अधिक महिलाओं की नियुक्ति का लक्ष्य तय किया है। कंपनी की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि ये वे उद्योग हैं जहां दुनिया भर में ऐतिहासिक रूप से पुरुषों का प्रभुत्व रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने इस साल विज्ञान में महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर विज्ञान की शिक्षा, नवाचार और नेतृत्व में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने का आह्वान किया है।

विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच सेंसेक्स लुढ़का, निफ्टी ऊपर

आईटी कंपनियों के शेयरों में जबरदस्त बिकवाली

मुंबई

विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच बुधवार को घरेलू शेयर बाजारों में आईटी कंपनियों में तेज बिकवाली रही, जिससे बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स गिरावट में बंद हुआ जबकि उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक हरे निशान में बंद हुआ। सेंसेक्स शुरुआती तेजी के बाद लाल निशान में चला गया और अंत में 40.28 अंक (0.05 प्रतिशत) गिरकर 84,233.64 अंक पर रहा। निफ्टी-50 सूचकांक 18.70 अंक यानी 0.07 प्रतिशत की बढ़त में 25,953.85 अंक पर पहुंच गया जो 07

जनवरी के बाद का उच्चतम स्तर है। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.15 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.02 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। आईटी सेक्टर पर जबरदस्त दबाव देखा गया। निफ्टी आईटी सूचकांक 1.76 प्रतिशत फिसल गया। निजी बैंकिंग सेक्टर का सूचकांक भी लाल निशान में बंद हुआ। ऑटो, सार्वजनिक बैंकों, स्वास्थ्य, फार्मा, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, तेल एवं गैस और रसायन समूहों के सूचकांक बढ़त में रहे। एनएसई में जिन 3,247 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें 1,681 के शेयर लाल निशान में और 1,481 के हरे निशान में रहे। अन्य 85 कंपनियों के शेयर अंतत: अपरिवर्तित बंद हुए।

एशियाई बाजारों में दिखी बढ़त-वैश्विक स्तर पर एशिया में जापान का निक्केई 2.28 प्रतिशत, हांगकांग का हैंगसेंग 0.31 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.09 प्रतिशत मजबूत हुआ। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.51 प्रतिशत नीचे था जबकि ब्रिटेन का एफटीएसई 0.24 प्रतिशत ऊपर चल रहा था।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स में शामिल शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाइटन, टाटा स्टील, मारुति सुजुकी इंडिया, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, सन फार्मास्यूटिकल्स, एनटीपीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टेक महिंद्रा और बजाज फाइनेंस लाभ कमाने वाले शेयर रहे। एचसीएल टेक्नोलॉजीज, ट्रेंट, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, आईटीसी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, पावरग्रिड, अदानी पोर्ट्स, लार्सन एंड टुब्रो और अल्ट्राटेक सीमेंट पिछड़ गए।

सोने-चांदी की कीमतों में तेजी

सोना 1,57,950 रुपए प्रति 10 ग्राम व चांदी 2,59,200 रुपए प्रति किलो रही

नई दिल्ली

घरेलू बाजार में सोने चांदी में तेज शुरुआत रही। दोनो कीमती धातुओं के वायदा कारोबार में आज बढ़त रही। घरेलू बाजार में आज सोने की वायदा कीमतें 1,57,950 रुपये जबकि चांदी की 2,59,200 रुपये के आसपास रहीं। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी में बढ़त रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत अच्छी रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल अनुबंध आज 1,633 रुपये बढ़कर 1,58,436 रुपये के स्तर पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,56,803 रुपये था। ये 1,58,436 रुपये के उच्च और 1,57,808 रुपये के निचले स्तर तक पहुंचा। सोने के वायदा भाव पिछले माह 1,80,779 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे।

वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी अच्छी रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च अनुबंध आज 5,390 रुपये बढ़कर 2,57,938 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,52,548 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 6,642 रुपये बढ़कर 2,59,190 रुपये के भाव पर कामकाज कर रहा था। इसने 2,59,550 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 2,57,938 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ कारोबार कर रहे थे। कामेक्स पर सोना आज 5,048 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 5,031 डॉलर प्रति औंस था। एक समय यह 43.10 डॉलर की तेजी के साथ 5,074.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

सोने के भाव ने इस साल 5,586.20 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर हासिल किया। वहीं कामेक्स पर चांदी के वायदा भाव 80.50 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद प्राइस 80.38 डॉलर था। खबर लिखे जाने के समय यह 1.66 डॉलर की तेजी के साथ 82.04 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

एयर इंडिया ने प्रीमियम इकोनॉमी की बुकिंग बढ़ाने शुरू किया विशेष अभियान

नई दिल्ली

टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया ने प्रीमियम इकोनॉमी श्रेणी की बुकिंग बढ़ाने के लिए बुधवार को एक विशेष अभियान 'द प्रीमियम यू डिजर्व' शुरू किया है। यह अभियान 11 फरवरी से 31 मार्च तक चलेगा। इसका मुख्य उद्देश्य इकोनॉमी श्रेणी में यात्रा करने वाले लोगों को प्रीमियम इकोनॉमी की तरफ आकर्षित कर राजस्व बढ़ाना है। एयर इंडिया ने आज एक प्रेस

विज्ञप्ति में बताया कि उसके 60 प्रतिशत विमानों में अब बिजनेस और इकोनॉमी श्रेणी के साथ प्रीमियम इकोनॉमी श्रेणी की सीटें भी हैं। उसने अपने बेड़े में शामिल सभी 26 बोइंग 787-8 विमानों की रिट्रोफिटिंग शुरू की है जिसमें उनमें प्रीमियम इकोनॉमी की सीटें लगायी जा रही हैं। यह कार्यक्रम अगले साल के मध्य तक पूरा होने की उम्मीद है। वहीं, बी-777 विमानों की रिट्रोफिटिंग का काम साल 2027 में शुरू होकर साल 2028 में पूरा होगा। कंपनी प्रीमियम इकोनॉमी के प्रचार का अभियान, प्रिंट मीडिया, टीवी चैनलों और डिजिटल चैनलों पर एक साथ चलायेगी।

टी20 विश्व कप के दौरान भी इसका प्रचार किया जायेगा।

मिश्रित उर्वरकों की क्षमता 3 साल में 25 फीसदी बढ़ेगी

मुंबई

देश में मिश्रित उर्वरकों की क्षमता तीन साल में 25 प्रतिशत बढ़कर करीब दो करोड़ टन प्रति वर्ष पर पहुंचने की उम्मीद है।

बाजार अध्ययन एवं साख निर्धारक एजेंसी क्रिसिल रेटिंग्स ने बुधवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि मिश्रित उर्वरकों के विनिर्माण क्षेत्र में वित्त वर्ष 2028-29 तक 40 लाख टन की सालाना की क्षमता वृद्धि का अनुमान है। वर्तमान में इस क्षेत्र की क्षमता 1.6 करोड़ टन है। इस प्रकार यह एक-चौथाई बढ़कर दो करोड़ टन सालाना पर पहुंच

जायेगी। इससे आयात पर निर्भरता कम होगी। उर्वरकों की घरेलू खपत में एक-तिहाई हिस्सा मिश्रित उर्वरकों का है। मिश्रित उर्वरकों की मांग में एक-तिहाई की पूर्ति आयात के जरिये की जाती है जिसमें मुख्यत: डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) है। दूसरी तरफ, नाइट्रोजन फॉस्फोरस पोटैशियम (एनपीके) की ज्यादातर जरूरत की पूर्ति घरेलू उत्पादन से ही होती है। क्रिसिल के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में कुल मिश्रित उर्वरक में एनपीके का हिस्सा बढ़कर 60 प्रतिशत पर पहुंच गया। इससे पहले के पांच साल में इसकी औसत हिस्सेदारी 53 प्रतिशत थी। क्रिसिल रेटिंग्स के निदेशक आनंद कुलकर्णी ने कहा कि मजबूत मांग और सीमित क्षमता के कारण चालू वित्त वर्ष में निर्माताओं ने 95 प्रतिशत क्षमता का दोहन किया है। पिछले सात साल में मिश्रित उर्वरक की क्षमता में सिर्फ पांच लाख टन सालाना की वृद्धि हुई है। कंपनियों की योजना के अनुसार, क्षमता वृद्धि से आयात पर निर्भरता 30-32 प्रतिशत कम होगी। दूसरी तरफ, क्षमता विस्तार न होने से वित्त वर्ष 2028-29 तक आयात में 10-11 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। रिपोर्ट में पोषक तत्व आधारित सब्सिडी समय पर जारी करने की भी सलाह दी गयी है। इसमें कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में इस मद में 49,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था जबकि सिर्फ 22 प्रतिशत का आवंटन किया गया है।

नई एंट्री-लेवल सुपरकार फेरारी अमालफी जल्द होगी लॉन्च

नई दिल्ली

भारत में कार निर्माता कंपनी फेरारी अपनी नई एंट्री-लेवल सुपरकार फेरारी अमालफी जल्द लॉन्च करने जा रही है। फेरारी ने आधिकारिक रूप से पुष्टि कर दी है कि भारत में इसका एक्स-शोरूम प्राइस 5.59 करोड़ रुपये होगा। दमदार परफॉर्मेंस वाली यह कार ट्विन-टर्बो वी 8 इंजन से लैस है, जो 631 हॉर्सपावर जेनरेट करती है। यह सिर्फ 3.3 सेकेंड में 0 से 100 किमी/घंटा और मात्र 9 सेकेंड में 0 से 200 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ने में सक्षम है।

फेरारी अमालफी को ट्रेडिशनल फेरारी डिजाइन के साथ मॉडर्न टच देते हुए तैयार किया गया है। इसके फ्रंट में पारंपरिक ग्रिल की जगह बॉडी-कलर्ड फ्लोटिंग विंग दिया गया है, जो इसे भविष्यवादी लुक देता है। इसके साथ स्लीक इंटीग्रेटेड हेडलैंप्स और फ्रंट सेंसर वाहन को और प्रीमियम बनाते हैं। लोअर स्प्लिटर कार की चौड़ाई और स्पोर्टीनेस को बढ़ाता है। पीछे की ओर कंपनी ने स्ट्राइकिंग शोल्डर लाइन और मिनिमलिस्टिक टेललाइट डिजाइन दिया है, जबकि ब्रॉड डिफ्यूज़र कार के ऐरोडायनामिक्स को बेहतर बनाता है। इंटीरियर की बात करें तो अमालफी को पूरी तरह नया और शानदार केबिन मिला है।

नामीबिया-भारत का मुकाबला आज

अभिषेक अस्पताल से डिस्चार्ज, मैच खेलने पर अभी फैसला नहीं

नई दिल्ली

भारत दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में नामीबिया के खिलाफ ग्रुप ए के मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन होने के नाते उम्मीद और जिम्मेदारी दोनों लेकर उतरेगा। अमेरिका के खिलाफ उनके शुरुआती मैच ने सभी को याद दिलाया कि टी20 क्रिकेट, भारत जैसी टैलेंटेड टीम के लिए भी, मुश्किल हो सकता है।

मैच से पहले आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में टीम के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने अभिषेक की सेहत पर अपडेट देते हुए कहा, 'अभिषेक आज अस्पताल से डिस्चार्ज हो गए हैं। कल के मैच में उनके खेलने पर अभी फैसला नहीं लिया गया है। हमारे पास अभी थोड़ा समय है।' अभिषेक शर्मा टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में अमेरिका के खिलाफ शून्य पर आउट हो गए थे। इसके बाद फील्डिंग के दौरान उनकी जगह संजू सैमसन को उतारा गया। जानकारी के मुताबिक, उस मैच के दौरान ही अभिषेक अस्वस्थ थे और दिल्ली पहुंचने के बाद उनकी तबीयत और बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

सैमसन को मिल सकता है मौका

इस बीच संजू सैमसन ने मंगलवार को नेट्स में बल्लेबाजी अभ्यास किया और बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक के साथ लंबा समय बिताया। इससे संकेत मिलते हैं कि टीम मैनेजमेंट ने अभिषेक की अनुपस्थिति की स्थिति में विकल्प तैयार रखे हैं। हालांकि, टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि अभिषेक शर्मा रविवार तक पूरी तरह फिट होकर मैदान पर वापसी कर सकते हैं। बताया जा रहा है कि वह रविवार को मुख्य कोच गौतम गंभीर के घर आयोजित डिनर में भी शामिल हुए थे, हालांकि वह बाकी खिलाड़ियों से पहले वहां से निकल गए।

जोकोविच के बाद सिलिच 600 जीत हासिल करने वाले दूसरे खिलाड़ी

डलास

नेक्सो डलास ओपन में लर्नर टिएन के खिलाफ मिली मारिन सिलिच की 600वीं टूर-लेवल जीत, उनकी कंसिस्टेंसी और लंबे समय तक टिके रहने की झलक है, इन खूबियों ने उन्हें आज के महान खिलाड़ियों में जगह बनाने में मदद की है। एटीपी टूर पर दो दशकों में, जिसका ज़्यादातर हिस्सा 'बिग थ्री' युग में मुकाबला करते हुए बीता, क्रोएशियाई खिलाड़ी न केवल टिका रहा, बल्कि आगे भी बढ़ा है। 37 साल के सिलिच इस खेल के सबसे कड़े कॉम्पिटिटर में से एक हैं, जिनके पास उतनी ही जबरदस्त बेसलाइन फायरपावर है। सिलिक के नाम सक्रिय खिलाड़ियों में दूसरी सबसे ज्यादा जीत है, जो सिर्फ नोवाक जोकोविच (1,168 और गिनती जारी है) से पीछे हैं। अपनी 600वीं टूर-लेवल जीत हासिल करके, सिलिच अब तक के सबसे ज्यादा जीत हासिल करने वाले क्रोएशियाई खिलाड़ी बन गए, उन्होंने पूर्व वर्ल्ड नंबर 2 गोरान इवानिसेविच को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने अपने शानदार करियर में 599 टूर-लेवल जीत हासिल की थीं।

बास्केटबॉल लीग केरल का शुभारंभ

तिरुवनंतपुरम

केरल ने भारत में बास्केटबॉल ईको सिस्टम को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए बास्केटबॉल लीग केरल (बीएलके) का आधिकारिक शुभारंभ किया है। यह फ्रेंचाइजी आधारित युवा लीग उभरती प्रतिभाओं के लिए एक संरचित और व्यवस्थित मंच प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई है।

केरल बास्केटबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस लीग का उद्घाटन केरल के खेल मंत्री वी. अब्दुरहिमान ने किया। लीग का पहला सत्र 27 मई से 6 जून 2026 तक कोच्चि के रीजनल स्पोर्ट्स सेंटर में आयोजित होगा। दस दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में कुल 72 मैच खेले जाएंगे, जो इसे देश की सबसे व्यापक युवा-केंद्रित बास्केटबॉल प्रतियोगिताओं में से एक बनाता है। पहले सत्र में छह शहर आधारित फ्रेंचाइज़ी-त्रिवेंद्रम कैपिटल्स, कोट्टायम बाइसन, अलप्पुझा डॉल्फ़िन्स, कोच्चि स्टैलियंस, त्रिशूर टस्कर्स और कालीकट वॉरियर्स-भाग लेंगी। लीग का आधिकारिक एंथम और शुभंकर 'डंकन' भी लॉन्च किया गया, जो युवा ऊर्जा और खेल एकता का प्रतीक है।

बैंक ऑफ बड़ौदा कैरम टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा

वडोदरा

भारत का इंटरनेशनल बैंक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा, 'ऑल इंडिया पब्लिक सेक्टर स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड' के साथ मिलकर 9 से 11 फरवरी 2026 तक वडोदरा, गुजरात में ऑल इंडिया पब्लिक सेक्टर कैरम टूर्नामेंट 2025-26 होस्ट कर रहा है। टूर्नामेंट में दस पब्लिक सेक्टर ऑर्गनाइज़ेशन हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें लगभग 18 इंटरनेशनल प्लेयर्स और कई नेशनल प्लेयर्स शामिल हैं, जिनमें आरबीआई के मौजूदा मेन्स सिंगल्स कैरम वर्ल्ड चैंपियन, मिस्टर प्रशांत मोरे भी शामिल हैं। बैंक ऑफ़ बड़ौदा के चीफ जनरल मैनेजर और चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, प्रभात के. शर्मा ने टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। प्रभात के. शर्मा ने सभी पार्टिसिपेंट्स का दिल से स्वागत किया और एक सफल और कॉम्पिटिटिव टूर्नामेंट के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।

क्रीड़ा भारती की आरती पाल अर्जुन अवार्ड से सम्मानित होंगी

इंदौर। भारत का सर्वोच्च खेल सम्मान नेतृत्व, अनुशासन और उत्कृष्टता का प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है। योगासन में क्रीड़ा भारती की महिला खिलाड़ी डॉ. आरती पाल को अर्जुन पुरस्कार घोषित होने पर माननीय खेलमंत्री डॉ. मनसुखभाई मंडाविया जी द्वारा इंदौर आगमन पर स्थानीय कार्यक्रम में सम्मानित किया गया तथा भाजपा द्वारा 11000 रुपए की राशि भेंट की गई। इस अवसर पर नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, मध्यप्रदेश ओलम्पिक संघ अध्यक्ष व विधायक रमेश मेंदोला, महापौर पुष्यमित्र भार्गव आदि उपस्थित थे।

कोई भी प्रभावित किसान राहत से वंचित न रहे – प्रभारी मंत्री सिलावट

प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों के खाते में राहत राशि वितरण को लेकर की समीक्षा

ग्वालियर

ग्वालियर जिले की चीनौर तहसील में गत दिनों हुई ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों के खाते में 20 फरवरी तक राहत राशि पहुँचाई जायेगी। प्रदेश के जल संसाधन मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने गुरुवार को जिले में हुई ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों की राहत राशि वितरण के संबंध में समीक्षा करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि कोई भी ओलावृष्टि से प्रभावित किसान राहत राशि से वंचित नहीं रहना चाहिए।

प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने मुरार सर्किट हाउस में ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को राहत राशि वितरण के संबंध में समीक्षा की। बैठक में विधायक भितरवार श्री मोहन सिंह राठौर, ग्रामीण जिला अध्यक्ष श्री प्रेम सिंह राजपूत, आईजी श्री अरविंद कुमार सक्सेना, डीआईजी श्री अमित सांघी, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह, सीईओ जिला पंचायत श्री सोजान सिंह रावत, एसडीएम भितरवार श्री राजीव समाधिया सहित राजस्व विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि प्रभावित सभी गाँवों में सर्वे के उपरांत प्रभावितों की सूची पंचायत कार्यालय पर भी चस्पा की जाए ताकि कोई भी प्रभावित वंचित न रह सके। इसके साथ ही सभी प्रभावितों के एकाउण्ट नम्बर भी प्राप्त करें, ताकि राहत राशि प्रभावित के खाते में पहुँच सके।

विधायक भितरवार श्री मोहन सिंह राठौर ने भी ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को समय पर राहत राशि देने की बात कही। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण के उपरांत भी अगर कोई प्रभावित रह गया हो तो उसे भी शामिल किया जाए।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने बताया कि ग्वालियर जिले की चीनौर तहसील में 3 फरवरी 2026 को असमायिक हुई ओलावृष्टि से 8 ग्राम प्रभावित हुए हैं। जिनमें प्रारंभिक सर्वे के अनुसार 1711 किसानों का कुल रकबा 1117.022 हैक्टेयर प्रभावित हुआ है। प्रभावित किसानों की सूची सर्वेक्षण के उपरांत ग्राम पंचायत में दावा-आपत्ति के लिये चस्पा कर दी गई है। 17 फरवरी तक किसान दावा - आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके साथ ही प्रभावित किसानों के बैंक खाता नम्बर एकत्रित किए जाकर राहत राशि वितरण हेतु क्षति पत्रक तैयार किया जा रहा है।

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने बताया कि जिले की चीनौर तहसील के 8 गाँवों के कुल 1711 किसानों के खातों में 2 करोड़ 63 लाख 24 हजार 079 रुपए की राशि राहत के रूप में वितरित की जाना है। चीनौर जिले के जो गाँव ओलावृष्टि से प्रभावित हुए हैं उनमें चीनौर, बड़कीसराय, सिकरौदा, खुर्दपार, भौरी, चकशंकरपुर, जुझारपुर व कछौआ शामिल हैं।

बुंदेलखंड बुल्स के दो दिवसीय ट्रायल में 350 से अधिक क्रिकेटरों ने दिखाया दमखम

ग्वालियर। मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग से जुड़ी टीम बुंदेलखंड बुल्स की दो दिवसीय ट्रायल प्रक्रिया शहर में बुधवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। इस ट्रायल में प्रदेशभर से आए क्रिकेटरों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। ट्रायल प्रक्रिया में 100 से अधिक महिला क्रिकेटर एवं 250 से अधिक पुरुष क्रिकेटरों ने हिस्सा लिया। खिलाड़ियों की बड़ी भागीदारी के चलते आयोजन खासा चर्चित रहा। पूरे ट्रायल के दौरान टीम के ओनर रोहित वाधवा एवं मोक्ष वाधवा स्वयं मौजूद रहकर व्यवस्थाओं और खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर लगातार नजर बनाए हुए थे। गौरतलब है कि ट्रायल में ग्वालियर सहित भिंड, मुरैना, श्योपुर, दतिया और शिवपुरी जैसे आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में खिलाड़ियों ने भाग लिया। चयन प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए गठित चयन समिति में पूर्व महिला क्रिकेटर संध्या अग्रवाल, विजय प्रकाश शर्मा, पल्लवी भारद्वाज, तेजराज, निशांत धमीजा एवं निधि राजावत मौजूद रहे।

'धार्मिक आयोजनों और त्यौहारों पर सभी व्यवस्थायें चाक-चौबंद रहें'

प्रभारी मंत्री ने जिला प्रशासन एवं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर की समीक्षा

ग्वालियर

प्रदेश के जल संसाधन मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि धार्मिक आयोजनों एवं त्यौहारों के अवसर पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए जाएं। जिन स्थानों पर अधिक भीड़ एकत्रित होने की संभावना हो वहाँ पर सुरक्षा के साथ-साथ अन्य प्रबंधन भी सुनिश्चित किए जाएं। प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने गुरुवार को जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन की वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में यह बात कही।

मुरार सर्किट हाउस में आयोजित बैठक में विधायक भितरवार श्री मोहन सिंह राठौर, ग्रामीण जिला अध्यक्ष श्री प्रेम सिंह राजपूत, आईजी श्री अरविंद कुमार सक्सेना, डीआईजी श्री अमित सांघी, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह, सीईओ जिला पंचायत श्री सोजान सिंह रावत, एसडीएम भितरवार श्री राजीव समाधिया सहित राजस्व विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि जिले के डबरा में नवग्रह शक्ति पीठ पर आयोजित हो रहे धार्मिक आयोजन में गत दिनों जो घटना हुई है, इस प्रकार की घटना पुनः न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। वहाँ पर आ रहे धर्म प्रेमी, नागरिकों की सुरक्षा के साथ-साथ अन्य प्रबंधन भी मुस्तैदी से हों, यह सुनिश्चित किया जाए। कंट्रोल रूम गठित हो और वरिष्ठ अधिकारी निरंतर मॉनीटरिंग करें, यह भी सुनिश्चित किया जाए। आयोजकों से भी इस संबंध में सतत संपर्क कर व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद किया जाए। पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी नियमित व्यवस्थाओं को देखें और मॉनीटरिंग करें।

आयोजन स्थल पर एवं आसपास भी फायर सेफ्टी, पार्किंग एवं आपदा प्रबंधन की टीम भी मुस्तैद रहे। प्रसादी वितरण व्यवस्था पर भी निगरानी रखी जाए। इसके साथ ही कार्यक्रम स्थल पर जाने वाले मार्गों पर भी सुरक्षा एवं अन्य प्रबंधन किए जाएं। इसके साथ ही चिकित्सा दल भी कार्यक्रम स्थल के आसपास तैनात रहे और जरूरत पड़ने पर तत्परता से कार्य करे। दल में चिकित्सकों को भी अनिवार्यतः रखा जाए।

प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि जिले में त्यौहारों के दौरान भी सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थायें चाक-चौबंद रहें, इसके लिये जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन समन्वय स्थापित कर व्यवस्थाओं को बेहतर बनाएं। महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर भी सभी शिव मंदिरों पर साफ-सफाई की व्यवस्थायें बेहतर हों।

बैठक में आईजी श्री अरविंद कुमार सक्सेना ने डबरा सहित अन्य धार्मिक आयोजनों के संबंध में पुलिस द्वारा किए गए प्रबंधनों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि डबरा में सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ फायर, पार्किंग, चिकित्सा आदि की व्यवस्थायें सुनिश्चित की गई हैं। त्यौहारों के दृष्टिगत भी सभी प्रसिद्ध मंदिरों पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने बताया कि डबरा में जिला प्रशासन के माध्यम से राजस्व अधिकारियों सहित अन्य विभागीय अधिकारियों को तैनात किया गया है। कंट्रोल रूम गठित कर व्यवस्थाओं पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है। आयोजनकर्ताओं से भी समन्वय स्थापित कर व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने का कार्य किया गया है।

रोजाना जप और भजन से मन होता है शांत : अवध बिहारी

ग्वालियर

श्री सनातन धर्म मंदिर में श्रीमद् भागवत कथा का आरंभ बुधवार से आरंभ हुआ। कथा से पूर्व सुबह 9 बजे ओल्ड हाईकोर्ट स्थित श्री गिर्राज मंदिर से कलश यात्रा निकाली गई जिसका समापन श्री सनातन धर्म मंदिर पर हुआ।

दोपहर एक बजे धर्म सभा को संबोधित करते हुए संत अवध बिहारी दास महाराज ने कहा कि भागवत कथा को एकाग्रता से श्रवण करने पर जीव मात्र का मोक्ष सुनिश्चित है। कथा श्रवण से प्रेत योनि में पड़े हुए जीव की भी मुक्ति हो सकती है तो मनुष्य की मुक्ति में संदेह नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मन लगे या न लगे नाम जप, पाठ आदि नित्य नियमपूर्वक करना चाहिए। मन को स्थिर करने के लिए वैराग्य और भजन के अभ्यास नितांत आवश्यक है। बुधवार की आरती में रविन्द्र मिश्रा, वंदना मिश्रा एवं उनका परिवार शामिल हुआ।

वाईकर मठ से निकली पालकी

वाईकर मठ में समर्थ रामदास पुण्यतिथि महोत्सव में बुधवार को सुबह अभिषेक और आरती की गई। दोपहर में मठ से पालकी निकाली गई। इस मौके पर समाजसेवी रमेश काले, अनंत महाजनि, लक्ष्मण कवडीकर, शरद बक्षी एवं अश्विनी बाभले का सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रभाकर घाटे, रमेश काले, उमेश बाभले, रविंद्र सांयखेड़कर, विजय मोटकर, कुंभराजवाले एवं निशिकांत सुरंगे आदि उपस्थित रहे।

गौमाता की सेवा से नहीं आती दरिद्रता : अनमोल श्री

गौमाता केवल एक जीव नहीं, बल्कि हमारी सनातन संस्कृति की आधारशिला है। जिस घर में गौमाता की सेवा होती है, वहां दरिद्रता और रोग कभी प्रवेश नहीं कर सकते। गौमाता की सेवा ही परमात्मा की सेवा है। यह विचार ईश्वर खो महादेव मंदिर में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में धर्मसभा को संबोधित करते हुए कथा वाचक अनमोल श्री ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि यदि आप मंदिर नहीं जा सकते तो एक रोटी प्रेम से गौमाता को खिला दीजिए, आपको महादेव की पूजा का फल स्वतः प्राप्त हो जाएगा।

आत्मनिर्भर जीवन की कुंजी है शिक्षा

ग्वालियर

शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय के इन्क्यूबेशन सेंटर, कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ, इको क्लब एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षा से आत्मनिर्भरता कार्यक्रम के तहत 7 दिवसीय एलईडी एवं धूपबत्ती निर्माण प्रशिक्षण का समापन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. कुमार रत्नम अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा विभाग थे। अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. साधना श्रीवास्तव ने की। मुख्य वक्ता डॉ. राजेश सिंह तोमर कुलगुरु एमिटी विश्वविद्यालय एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के मध्य भारत प्रांत प्रमुख धीरेन्द्र सिंह भदौरिया, जिला संयोजक राजकुमार वाजपेयी, डॉ. राजकमल जादौन संयोजक भाषा विभाग तथा डॉ. अशोक सिंह चौहान मंचासीन रहे। प्रशिक्षक बृजेश शुक्ला, सुनील शर्मा एवं अभिषेक ने छात्राओं को एलईडी बल्ब एवं धूपबत्ती निर्माण की व्यावहारिक तकनीकों से अवगत कराया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. साधना श्रीवास्तव ने कहा कि आज के समय में शिक्षा के साथ कौशल विकास अत्यंत आवश्यक है। यह प्रशिक्षण न केवल आत्मविश्वासी बनाते हैं, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनने का अवसर भी प्रदान करते हैं। डॉ. कुमार रत्नम ने कहा कि शासन स्तर पर कौशल आधारित शिक्षा को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

राज्य कृषि विपणन मंडी बोर्ड का सूचना के अधिकार अधिनियम विषय प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ संपन्न

मध्य प्रदेश राज्य कृषि विपणन मंडी के प्रदेश स्तरीय ई-फाइलिंग तथा सूचना के अधिकार अधिनियम से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम आर वीपी नरोरा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में भोपाल में हुआ संपन्न। प्रशिक्षणार्थी के रूप में मंडी बोर्ड शिवपुरी के कर्मचारी श्रीमन जायसवाल ने अपने अनुभव तथा सुझाव किए व्यक्त।

अक्षय तृतीया पर होगा 11 जोड़ों का विवाह

ग्वालियर। सकल ब्राह्मण महा समिति के प्रधान कार्यालय ऊंट पुल पर बुधवार को ब्राह्मण युवक-युवती परिचय सम्मेलन के लिए अतिरिक्त स्मारिका का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एचबी शर्मा उपस्थित रहे। अध्यक्षता प्रकाश नारायण शर्मा ने की। कार्यक्रम में तय हुआ कि अक्षय तृतीया के मौके पर चौथा निःशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें 104 युवक और युवती परिचय देंगे। डॉ.जयवीर भारद्वाज ने कहा कि इस मौके पर 11 जोड़ों का विवाह करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि महाशिवरात्रि पर्व पर शाम 4 बजे प्रधान कार्यालय में सामूहिक विवाह सम्मेलन के पंजीयन का शुभारंभ होगा। स्वागत भाषण संयुक्त अध्यक्ष श्याम बाबू शर्मा ने दिया। इस मौके पर स्वाति शर्मा, रचना गौड, देवेंद्र पाठक, योगेंद्र दीक्षित आदि उपस्थित रहे।

'शासन की योजनाओं और कार्यक्रमों का जिले में हो बेहतर क्रियान्वयन'

कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की हुई समीक्षा

ग्वालियर

शासन की योजनाओं और कार्यक्रमों का जिले में प्रभावी क्रियान्वयन हो, इसके साथ ही आमजनों की समस्याओं का भी समय-सीमा में और सकारात्मक निराकरण हो, यह सुनिश्चित किया जाए। संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने गुरुवार को कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में यह बात कही। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में ग्वालियर कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान सहित संभाग के दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर जिलों के कलेक्टर एवं विभागीय अधिकारी शामिल हुए।

संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं और कार्यक्रमों का जिले में बेहतर क्रियान्वयन हो, इसके लिये जिला कलेक्टर अपने-अपने जिले में व्यवस्थित प्लान बनाकर योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आमजनों की समस्याओं का भी सकारात्मक और समय पर निराकरण हो, इसके लिये जिला कलेक्टर नियमित समीक्षा कर निराकरण सुनिश्चित कराएं। सीएम हैल्पलाइन एवं लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत प्राप्त आवेदनों का निराकरण समय-सीमा में हो। लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के विरूद्ध भी दण्डात्मक कार्रवाई होना चाहिए।

संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने बैठक में कानून व्यवस्था, राजस्व प्रकरणों की समीक्षा, कृषि विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास आदि विभागों की योजनाओं और कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

संभागीय आयुक्त श्री खत्री ने कानून व्यवस्था की समीक्षा के दौरान कहा कि विशिष्ट अतिथियों एवं अतिविशिष्ट अतिथियों के आगमन एवं धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजनों के दौरान सुरक्षा एवं अन्य प्रबंधन बेहतर हो, इसके लिये जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन समन्वय स्थापित कर व्यवस्थायें सुनिश्चित करें।

राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान सभी जिला कलेक्टरों से कहा गया कि नामांतरण, सीमांकन एवं बटवारे के साथ-साथ राजस्व संबंधी जो भी प्रकरण हैं उनका निराकरण राजस्व अधिकारी निर्धारित समय-सीमा में करना सुनिश्चित करें। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत प्रकरणों के निराकरण के लिये जो समय-सीमा निर्धारित है, उसका विशेष ध्यान दिया जाए। समय-सीमा में निराकरण न करने वाले राजस्व अधिकारियों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई भी प्रस्तावित की जाए।

सीएम हैल्पलाइन में नॉन अटेंड करने वालों पर हो कड़ी कार्रवाई

संभाग आयुक्त श्री मनोज खत्री ने कहा कि सीएम हैल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों को न देखने वाले (नॉन अटेंड) अधिकारियों और कर्मचारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। शिकायतों का निराकरण न करना घोर लापरवाही है। इसके साथ ही शिकायतों का नकारात्मक निराकरण करने वालों के विरूद्ध भी कार्रवाई हो। उन्होंने कहा कि सीएम हैल्पलाइन में प्राप्त प्रकरणों का निराकरण समय-सीमा में सभी विभागीय अधिकारी करें। जिला कलेक्टर सीएम हैल्पलाइन की निरंतर मॉनीटरिंग कर जिले की रैंकिंग को बेहतर बनाने का कार्य करें।

पराली जलाने वालों को करें चिन्हित

संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने कहा कि ग्वालियर संभाग के सभी जिलों में पराली जलाने वालों को चिन्हित किया जाए। आगामी दिनों में फसल कटाई के उपरांत पराली जलाने की घटनायें सामने आती हैं। सभी जिलों में गत वर्षों के अनुभव को देखते हुए चिन्हांकन का काम किया जाए। इसके साथ ही किसानों को भी कृषि विभाग के माध्यम से आवश्यक सलाह विभिन्न प्रचार माध्यमों से दी जाएं। कृषि विभाग के माध्यम से पराली के बेहतर प्रबंधन के संबंध में भी जानकारी दी जाए। कृषि विभाग के अधिकारी ग्रामीण क्षेत्र में जाकर किसानों को कृषि की आधुनिक जानकारियां भी प्रदान करें।

एक जिला - एक उत्पाद के तहत दूसरा उत्पाद भी चिन्हित करें

संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने कहा कि ग्वालियर संभाग के सभी जिलों में एक जिला - एक उत्पाद का चयन किया गया है। शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक जिले में 2 - 2 उत्पादों को चयनित करने के निर्देश दिए गए हैं। संभाग के सभी जिला कलेक्टर अपने-अपने जिले में द्वितीय उत्पाद का चयन कर उसे प्रोत्साहित करने का कार्य करें। की गई कार्रवाई से वरिष्ठ कार्यालय को भी अवगत कराया जाए।

संभागीय आयुक्त श्री खत्री ने बैठक में ग्रामीण विकास, विद्युत, शिक्षा, स्वास्थ्य विभाग सहित शासन की अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं और कार्यक्रमों की भी समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

स्वामी एवं प्रकाशक गुरुशरण सिंह अहलुवालिया द्वारा शर्मा ऑफसेट एण्ड प्रिंटर्स H.O NO. 67 घोसीबाडा दानाओली लश्कर ग्वालियर मप्र, 474001 से मुद्रित एवं एम-3/19 ब्लू लोटस हिल कॉलोनी सिरोल रोड ग्वालियर मप्र 474006 से प्रकाशित। संपादक-गुरुशरण सिंह अहलुवालिया, 9425127301, ईमेल sititoday2008@gmail.com (सभी विवादों के लिए न्यायालीन क्षेत्र ग्वालियर होगा) PRGI NO. MPHIN/2009/31963